तापमान

अधिकतम 30.2 डिग्री

न्यूनतम 17.8 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

12 साइंस कॉलेज के मनोविज्ञान के छात्र परिषद ने ली शपथ

12 शिक्षानीति की आत्मा है संस्कृत, जिसने बनाया भारत को विश्वगुरु

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

खबर संक्षेप

धारदार चाकू लेकर डराने वाला पकड़ाया

भिलाई। चाकू लेकर लोगों को धमकाने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि शिवनाथ नदी रोड जैन मंदिर रोड के पास आने-जाने वाले को चाकू लेकर धमकाने वाला डिपरा पारा कुआ चौक दुर्ग निवासी तामेश्वर उर्फ सोनू पकड़ा गया।

मकान से 1.40 लाख की चोरी, अपराध दर्ज

भिलाई। छत के सहारे मकान के भीतर प्रवेश कर चोरी करने का मामला सामने आया है। मकान से कुल 8 हजार रुपए का सामान पार किया गया है। दुर्ग कोतवाली पुलिस ने बताया कि पंचशील नगर दुर्ग वार्ड 1 दुर्ग निवासी धर्मेश देशमुख का ग्राम नगपुरा चौक में कृषि केन्द्र का शॉप है। अपने मकान मे ताला जड़कर परिवार समेत ग्राम अंजोरा (ढाबा) गए हुए थे। 26 अगस्त की रात बडे भाई धर्मेन्द्र देशमुख पंचशील नगर स्थित मकान में पहुंचे। तीन आलमारी टुटा हुआ था अज्ञात ने सोने का चेन, गणेश भगवान की सोने का लॉकेट, एक रिंग, नगदी 25 हजार रुपए गायब मिला। वहीं दूसरी चोरी नेवई थाना क्षेत्र की है। सडक क्रास स्ट्रीट 1 प्लाट न 190 प्रगति नगर रिसाली निवासी दिनेश बेजांमिन ने पुलिस को बताया कि पडोसी जयदीप सिंह एक सप्ताह से अमकान में ताला जड़कर केरल गये है। जयदीप सिंह उनके मकान में जाकर देखा तो मकान के कीचन की कुंडी टूटी पड़ी मिली। अज्ञात ने नगद 60 हजार समेत ,सोना,चांदी के जेवरात मोबाइल गायब मिला।

मौसम की मार : पेयजल और निस्तारी के लिए जूझते रहे लोग, बिजली व्यवस्था चरमराई, बिगड़े हालात

चक्रवाती बारिश का कहर, 48 जगहों पर तार टूटे, 26 पोल गिरे, टाउनशिप सहित जिले के गांव 24 घंटे से अंधेरे में

हरिभूमि न्यूज :भिलाई। मंगलवार की रात दस बजे चक्रवाती बारिश ने ऐसा कहर ढ़ाया कि ट्विनसिटी सहित जिले में ब्लैक ऑउट ला दिया। 48 जगह से ज्यादा बिजली तार टूट गए। 26 पोल धराशाही हो गए। दो ट्रासंफार्मर फेल हो गया। सैकड़ों इंसुलेटर फूटे और 250 स्थानों पर पेड़ टूटकर गिरे। जिसकी वजह से बिजली आपूर्ति ध्वस्त हो गई। ट्रांसफार्मर सेक्शन से 1400 से ज्यादा शिकायतें मिली। शहर से लेकर गांव तक 24 घंटे से ज्यादा अंधेरे में डूबा रहा। रात और दिनभर की मशक्कत के बाद बुधवार शाम तक 95 प्रतिशत क्षेत्रों में ही बिजली बहाल हो पाई है।

शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली पोल गिरे और तार टूटे

दुर्ग शहरी क्षेत्र के अंतर्गत सिविल लाइन,बोरसी, जवाहर नगर, स्मृतिनगर, दुर्ग टाउन क्षेत्र में तार और बिजली पोल टूटे हैं। भिलाई के अंतर्गत रिसाली, रूआबांधा, सुपेला, रामनगर, नेहरूनगर, छावनी, अहिवारा, भिलाई तीन में बिजली पोल गिरे। उतई, बोरीगारका, जंजगिरी, पाउवारा, डुंडेरा, सेलूद, चुनकट्टा, अमलेश्वर में बिजली तारों को नुकसान पहुंचा।

निस्तारी के लिए दिक्कतें

मंगलवार की रात 10 बजे से बिजली बंद हुई। बुधवार की दोपहर तक और कई जगह शाम तक बिजली आई। उपभोक्ताओं ने बताया कि सुबह बोर का मोटर पंप नहीं चला। दोपहर तक इंजतार करते रहे लेकिन बिजली नहीं आई। इसलिए सुबह से दोपहर तक पानी टंकी नहीं भर पाई। कई जगह शाम तक पानी टंकी नहीं भर सके। आसपास हेंडपंप तलाशते रहे। एक से दो किलोमीटर दूर हैडपंप से पानी लाना पड़ा। सुबह आफिस जाने वाले बिना नहाए ही गए।

रात-दिन की मशक्कत के बाद मेन लाइन चालू

विद्युत वितरण कंपनी का अमला मंगलवार की रात बारिश बंद होने के बाद फाल्ट सुधारने निकला। सब स्टेशन के अधिकारी से लेकर विद्युत अमला मेन लाइन को शुरू करने जुटे रहे। सुबह से दोपहर और शाम तक सुधार कार्य चला। तब कहीं जाकर सब स्टेशन औ मेन लाइन शुरू कर पाए। उसके बाद टूटे तार व पोल को खड़ा करने का काम चालू हुआ जो अब भी कई जगह जारी है।

जिले में दो घंटे में ही सात सेंटीमीटर बारिश, आज भी बन रहे आसार

मंगलवार की चक्रवाती मूसलाधार बारिश महज दो घंटे की हुई। इतने कम समय में ही 7 सेंटीमीटर बारिश हुई है। चारों दिशाओं से तेज हवाए के बीच में बारिश का नजारा पहली बार लोगों ने इस सीजन में देखा। दिल दहला देने वाली बिजली भी कड़की और बादल भी जमकर गरजे सबसे ज्यादा बारिश पाटन क्षेत्र में हुई हैं जहां 103 मिलीमीटर बारिश हुई। दुर्ग में 67.4 मिलीमीटर , धमधा में 42 मिलीमीटर और भिलाई में 18 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। बोरी में 22 और अहिवारा में 12.7 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इस तरह एक जून से अब 752.9 मिलीमीटर औसत बारिश हो चुकी है। पिछले साल इस अवधि तक 761.8 मिलीमीटर बारिश हुई थी। इस तरह पिछले साल से औसत 1 मिलीमीटर बारिश कम है। मौसम विज्ञानी डॉ. एचपी चंद्रा बताते हैं कि चिन्हित निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उड़ीसा तट पर स्थित है, इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। इसके धीरे-धीरे पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ते हुए उड़ीसा की ओर पहुंचने की संभावना है। मानसून द्रोणिका बीकानेर, बनस्थली, दमोह, पेण्ड्रा रोड, चिन्हित निम्न दाब के केंद्र और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। इसलिए प्रदेश में 28 अगस्त को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात होने और भारी वर्षा होने की संभावना है। ट्विनसिटी में चक्रवाती बारिश से बड़े-बड़े होर्डिंग्स और फ्लैक्स को भारी क्षति पहुंची है। जगह-जगह लगे होर्डिंग्स व फ्लैक्स फट गए। कई इलाके में लोगों के बिल्डिंग में होर्डिंग्स पर लगे फ्लैक्स फटकर बिजली तार में लटक गए। जिसकी वजह से भी बिजली आने के बाद भी उन इलाकों में बिजली बाधित रही।

90 प्रतिशत पोल व लाइन दुरुस्त

शहर से लेकर गांव तक कई जगह पेड़ बिजली लाइन में गिर गए जिससे तार टूटे। पोल भी गिर गए। मंगलवार रात से लेकर बुधवार रात तक हमारे कर्मचारी लाइन ठीक करने, नया पोल लगाने में जुटे। तब कहीं जाकर 90 प्रतिशत बिजली लाइन दुरूस्त किए हैं। देर रात तक सभी जगह बिजली व्यवस्था ठीक कर लेंगे।

-संजय खंडेलवाल, ईई विद्युत वितरण कंपनी

टाउनशिप में ब्लैक आउट, 2 सौ से ज्यादा पेड़ गिरे, पानी को तरसे लोग

बीती रात चक्रवाती हवा और गरज चमक के बीच करीबन दो घंटे तक हुई मूसलाधार वर्षा ने टाउनशिप में भी जन जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। इस दौरान सड़कों के किनारे कई पेड़ उखड़ गए। कुछ बिजली के तारों पर गिरे, जिसे रात 12.30 बजे से गुरुवार देर शाम तक ब्लैक आउट रहा । कई सेक्टरों में घरों के नलों में पानी नहीं आया। मैत्रीबाग में भी 15 पेड़ गिरने से आधे हिस्से में दिनभर बिजली गुल रही। नगर सेवाएं विभाग के उद्यानिकी व विद्युत अभियांत्रिकी विभाग व पीएचडी की टीम दिनभर सड़कों आदि से पेड़ों व बिजली मेंटनेंस में जुटी रही। रात बारिश व तेज अंधड़ से बिजली, पेयजल व आवागमन प्रभावित होने की विकट समस्या से रहवासी बुरी तरह परेशान रहे। टाउनशिप में 2 सौ से ढाई सौ पेड़ गिर गए, जिनमें कई जड़ों से उखड़ गए। बोरिया गेट के सामने एसटी बिजली लाइन पर विशाल पेड़ गिरने से तार टूट जाने से सेक्टर 1,2,6,7 आदि अधिकतर सेक्टरों की बिजली गुरुवार शाम तक गुल रहने से लोग अंधेरे व उमस से हलाकान रहे। बिजली चली जाने से कई सेक्टरों में नलों व वाटर एटीएम जलापूर्ति ठप रही। देर शाम को कुछ सेक्टरों में बिजलाई आई। तेज आंधी व बारिश से 2 सौ से अधिक पेड़ गिर गए। सेक्टर 10 में सड़क- 19,14,10, 25 से. 9 व 4 में सड़क 14, सेक्टर 7 व रशियन काम्पलेक्स, बीएमडीसी गेट, भिलाई निवास और बैजाक हास्टल आदि में बड़े पेड़ धराशायी हो गए। मैत्रीबाग में भी 15 पेड़ गिरने से बिजुली गुल रही। जयंती स्टेडियम बैक रोड के किनारे करीबन 50 पेड़ की शाखाएं टूट गईं। नगर सेवाएं विभाग की तीन जेसीबी व ट्रेक्टर आदि के साथ देर शाम तक मेंटेनेंस हुआ।

निगरानीशुदा बदमाश की हत्या या मौत?

स्मृति नगर चौकी की घटना, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

निगरानीशुदा बदमाश की हत्या करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक पुरानी बस्ती कोहका निवासी निगरानीशुदा बदमाश प्रेमलाल चौहान उर्फ प्रेमा का शव उसके घर के बाथरुम में संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। मकान का दरवाजा अंदर से बंद था। घर पर मृतक अकेला रहता था। घटना में उसके सिर के पीछे चोट आई है। मौके पर फोरेंसिक एक्टसपर्ट की टीम भी पहुंची थी। जहां बदमाश को चोट आई है हत्या के आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन मृतक विवाहित है बच्चे उसके नहीं है। चूड़ी लाइन में इसका दुकान है किराए के रकम आने पर अपना जीवन चलाता था। मृतक का नशेड़ी और अपराधियों के साथ बैठना उठना था हो सकता है उनके द्वारा हत्या किया गया होगा। फिलहाल स्मृति नगर पुलिस का कहना है कि संदिग्ध परिस्थिति में हुई है मौत रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

किसी को न हो संदेह, इसलिए प्रेमी के साथ पति की हत्या कर शव 15 किमी दूर फेंका, दोनों गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने अपने ही पति की हत्या कर शव को 15 कमी दूर फेंक कर फरार हो गए। घटना में प्रेमी और पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। खुलासा करते हुए एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि चौकी नगपुरा में स्थित आंवला बाड़ी में 24 अगस्त को एक शव बरामद हुआ था। जिसका शिनाख्त पुलिस ने धनेश ठाकुर के रुप में हुई, जिसकी उम्र 40-45 वर्ष थी। पुलिस के शॉर्ट पीएम में पता चला कि धनेश को किसी ठोस वस्तु से चोट पहुचाई गई है। पुलिस जांच में जुट गई। एसीसीयू और पुलगांव थाने की संयुक्त टीम को मुखबिर की सूचना पर पूछताछ किया। पुलिस को पता चला कि मृतक धनेश ठाकुर की पत्नी अंजनी ठाकुर का प्रेम वार्ड 34 सरस्वती नगर दुर्ग कोतवाली निवासी हरपाल सिंह राजपूत उर्फ छोटू के साथ है। अंजनी ठाकुर के घर युवक का आना जाना और घनिष्ठता होने की खबर पुलिस को मिली। संदेही हरपाल सिंह राजपुत से पूछताछ करने पर मृतक धनेश ठाकुर की पत्नी अंजनी ठाकुर से 25 वर्षों से प्रेम संबंध होना स्वीकार किया। अंजनी का पति धनेश ठाकुर शराब पीने का आदी था। पिछले दो माह से काम पर नहीं जा रहा था।

- चौकी नगपुरा क्षेत्र की घटना, पुलगांव पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाई

घर पर ही रहता था और शराब पीने के लिए अपनी पत्नी से पैसा मांगता था। नहीं देने पर गाली गलौज करता था। इसके कारण अंजनी और हरपाल सिंह को मिलने जुलने में दिक्कत हो रही थी। अंजनी और हरपाल ने मिलकर धनेश ठाकुर को रास्ते से हटाने का प्लान तैयार किया।

ऐसे की पूरी प्लानिंग, जानिए

हरपाल ने 22 अगस्त को अंजनी ठाकुर के एक्टीवा में धनेश ठाकुर को बैठाकर शराब पिलाने के बहाने नगपुरा आंवला बगीचा लेकर गया। जहां धनेश ठाकुर को जमकर शराब पिलाया। नशे में धनेश के मदहोश होने पर हरपाल ने ठोस पत्थर से धनेश के सिर पर वार कर दिया। घटना के बाद अंजनी को फोन कर हत्या की जानकारी दी। उसके बाद हरपाल, अंजनी ने यहां फरार होने का प्लान भी तैयार कर रहे थे। लेकिन पुलिस को सुराग मिलने पर तुंरत ट्रेस कर लिया।

नाबालिग से दुष्कर्म कर करते रहा ब्लैकमेल, 4 लाख के जेवरात भी ऐंठा

सुपेला थाना का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नाबालिग से दुष्कर्म करने के बाद मामला सामने आया है। उसे दबाने के लिए नाबालिग ने परिजनों से चार लाख रुपए का जेवरात तक ऐंठ लिए थे।

परेशान परिजनों में शिकायत पर पुलिस ने धारा 316 (2), 64 (2)(एम) बीएनएस, पाक्सो एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर गिरफ्तार किया है। सुपेला पुलिस ने बताया कि नाबालिग को घूमाने ले जाने के नाम पर उसके नाबालिग दोस्त ने कार से लेकर गया। जहां जबरन नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। नाबालिग से वर्ष 2024 से दोस्ती हुआ था। दोनों अच्छे दोस्त है। आपस में फोन से बातचीत करते थे। नाबालिग क्लास 11 वीं की छात्रा है। उसका नाबालिग दोस्त 12 वीं पढ़ता है। 7 मई को नाबालिग दोस्त ने नाबालिग को पुष्पक नगर लेकर गया, जहां आईसक्रीम खिलाया। उसके बाद फोटो वायरल करने की धमकी देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करता रहा। नाबालिग दोस्त उसे ओयो होटल लेकर गया था। नाबालिग दोस्त ने किशोरी को झांसा दिया कि वह कर्जा लिया उसे नहीं लौटाएगा तो जान से मार देगें। उसे रकम की आवश्यकता है। किशोरी उसे अपने घर से जेवरात लेकर दे दी लेकिन आज तक जेवरात नहीं लौटाया है। जिसकी कीमत 4 लाख रुपए आंकी गई है।

आयुक्त ने दिए जांच के निर्देश, लापरवाही सामने आने पर होगी कार्रवाई

तालाब की दीवार ढहने के मामले में कार्य एजेंसी को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा में दो माह पहले बारिश के दौरान दो तालाबों का दीवार ढहने के मामले में खानापूर्ति जारी है। इसे लेकर भिलाई-चरोदा निगम की जमकर किरकिरी हो रही है।

मामला सामने आने के बाद निगम प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई कर दीवार को जल्द कंप्लीट करने का नोटिस जारी किया है। लेकिन दो माह बाद भी जांच पूरा नहीं हो पाया है। इसे लेकर आयुक्त ने ईई सुनील जैन, विक्टर वर्मा को भी नोटिस जारी किया था। शांति नगर बंधवा तालाब 1करोड़ रुपए की लागत से सौंदर्यकरण का काम शुरु हुआ था। जिसका ठेकेदार रविन्द्र गेडाम है। शीतला पारा में स्थित बम्नीन तालाब 92 लाख रुपए लागत से काम शुरु हुआ था। जिसका ठेकेदार गोलू चंद्राकर है। दीवार ढहने के बाद आयुक्त डीएस राजपुत ने ठेकेदारों का पेमेंट रोक दिया है। तत्कालीन ईई और सब इंजीनियर के खिलाफ विभागीय जांच शुरु हो गई है। ठेकेदारों को नोटिस जारी कर कहा गया कि दीवार का निर्माण बेहतर ढंग से करे अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा ठेकेदार गोलू, रविन्द्र गेडाम के द्वारा भिलाई-चरोदा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यो की जांच शुरु हो गई है। विकास कार्यो में भ्रष्टाचार करने वाले ठेकेदारों पर आयुक्त डीएस राजपूत ने कड़ा रुख अपनाते काम जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है। बमनीन तालाब और बंधवा तालाब को लेकर लंबे समय से सौंदर्य करण करने की मांग उठ रही थी। रकम पास होने के बाद ठेकेदारों ने विकास कार्यो में जमकर भ्रष्टाचार किया।

तत्कालीन ईई और सब इंजी.पर भी जांच

निगम के तत्कालीन ईई सुनील जैन, सब इंजीनियर विक्टर वर्मा को भी नोटिस जारी किया गया है। इनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई है। इनके कार्यकाल में भी दोनों तालाबों का काम शुरू हुआ था। ये दोनों अधिकारियों का ट्रांसफर भिलाई-चरोदा निगम से हो चुका है। तालाब सौंदर्यीकरण का टेंडर से लेकर इससे जुड़े कार्यो की जांच की जा रही है। ठेकादारों के अन्य विकास कार्यो का भी चेक किया जा रहा है।

लापरवाही पर होगी कार्रवाई

तालाब के दीवार ढहने के मामले में ठेकेदरों को नोटिस जारी कर निर्माण करने के निर्देश दिए गए है। काम जब तक बेहतर ढंग से पूरा नहीं होगा पेमेंट रोका गया है। जांच जारी है। विकास कार्यो में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई होगी।

-डीएस राजपूत, आयुक्त भिलाई-चरोदा निगम

अग्रसेन
प्रा. आई.टी.आई
BHILAI | DHANORA
• ELECTRICIAN
2 Year (10th Pass)
• FITTER 2 Year (10th Pass)
• C.O.P.A. (Computer) 1 Year (10th Pass)
Affiliated By : N.C.V.T & D.G.E.T. New Delhi (Govt. of India)
भारतीय सेना में कार्यरत/ भूतपूर्व सैनिकों के परिवार एवं दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए संपूर्ण फीस में 25 % की छूट
REGISTRATION OPEN
कुरुद रोड कोहका, भिलाई, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93949 • 89595-44444
अग्रसेन एजुकेशन कैम्पस, ग्राम-धनोरा, जिला - दुर्ग (छ.ग.)
89595-93934 • 89595-44444

खबर संक्षेप

हिंदी के शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

भिलाई। कक्षा छठवीं के नवीन पाठयपुस्तकों पर शिक्षकों का हिंदी विषय पर प्रशिक्षण रिसाली आत्मानंद स्कूल में विकासखंड स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण दुर्ग ब्लॉक का आयोजित किया गया। जिसमें सरस्वती देवांगन, प्रेमलता गुप्ता, साइंस कुमारी नेताम, खेमराज साहू बीआरजी द्वारा विषय आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा, प्रशिक्षण के साथ पाठ्य सहगामी क्रिया कलापों पर पाठ प्रदर्शन,साथ ही देवेंद्र तिवारी, प्रधान पाठक द्वारा योग के महत्व को बताया गया। डाइट से संगीता साहू द्वारा पाठ को बच्चों तक सहजता से संप्रेषित करने की बात कही। नेम सिंह साहू वरिष्ठ संकुल समन्वयक ने कहा कि पाठ पढ़ाने के पूर्व शिक्षक पूरी तैयारी के साथ कक्षा में उपस्थित रहे। पाठ में आ रही गतिविधियां भी कक्षा में कराई जाय, पाठ का शीर्षक एवं कवि एवं रचनाकार के बारे में भी जानकारी बच्चों को दें। समय-समय पर शिक्षकों द्वारा गीत, पाठ प्रदर्शन, जादू, खेल, शिक्षण अधिगम सामग्री निर्माण, कला शिक्षा,व्यावसायिक शिक्षा की भी जानकारी बीआरजी ग्रुप द्वारा दिया जा रहा। समय समय पर विकासखंड शिक्षाधिकारी राजेश्वरी चंद्राकर, बीआरसी श्रवण सिन्हा द्वारा भी शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया गया।

राष्ट्र भक्ति जीवन का आधार : विश्वनाथ

दुर्ग। शासकीय पॉलीटेक्निक में प्रथम सेमेस्टर के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए विवेकानंद यूथ सर्कल द्वारा अखण्ड भारत विषय पर परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चिंतन और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजन और वंदना से हुई। मुख्य वक्ता वरिष्ठ समाजसेवी विश्वनाथ बोगी ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर व्याख्यान दिया। प्राचार्य प्रकाश कुमार पाण्डेय ने स्वागत भाषण में विद्यार्थियों को कार्यक्रम की उपयोगिता समझाई और राष्ट्र भक्ति को जीवन का आधार बताया।

20 लाख से बुधवारी बाजार में लगा पेवर ब्लॉक, नहीं होगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 59 और 21 स्थित पटरी पार बुधवारी बाजार में श्रीगणेश चतुर्थी पर विकास की नई सौगात मिली। कैबिनेट शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने महापौर अलका बाघमार, सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल एवं पार्षदों की उपस्थिति में पेवर ब्लॉक टाइल्स लगाने के कार्य का लोकार्पण किया।

यह कार्य 15वें वित्त आयोग की स्वीकृति अंतर्गत कराया गया है। बाजार क्षेत्र में 25 हजार स्क्वायर फीट हिस्से को कवर करते हुए पेवर ब्लॉक टाइल्स बिछाए गए हैं, जिस पर लगभग 20 लाख रुपये की लागत आई है। इस कार्य की घोषणा पिछले गणेश पक्ष में पार्षदों की मांग पर विधायक द्वारा की गई थी। गणेश चतुर्थी के शुभ पर्व पर इस घोषणा को साकार कर नागरिकों को समर्पित किया गया।

लोकार्पण अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, काशीराम कोसरे, पार्षद विद्यावती सिंह, नीलम शिवेंद्र परिहार, गुलाब वर्मा, साजन जोसफ, सावित्री दमाहे, शिवेंद्र परिहार, अरुण सिंह, मनोज सोनी, खालिफ रिजवी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान बाजार क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना रहा और लोगों ने विकास कार्यों के लिए निगम टीम की सराहना की।

जनता की सुविधा और विकास प्राथमिकता

कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा क्षेत्र की जनता की सुविधा और विकास हमारी प्राथमिकता है। बुधवारी बाजार हजारों लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ा हुआ है। यहां पेवर ब्लॉक टाइल्स का काम पूरा होने से लोगों को बेहतर और साफ वातावरण मिलेगा। आने वाले समय में सरकार और निगम मिलकर ऐसे और कार्य करेंगे, ताकि नागरिकों को सुविधा और समुचित वातावरण मिल सके।

मंत्री गजेंद्र यादव आयोजन में हुए शामिल

रंग रोगन व लाइटिंग की भी व्यवस्था होगी

महापौर अलका बाघमार ने कहा नगर निगम का लक्ष्य है कि शहर के हर बाजार और वार्ड में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुदृढ़ आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बुधवारी बाजार पटरी पार क्षेत्र के नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है, यहां पेवर ब्लॉक टाइल्स के साथ-साथ रंगरोगन और लाइटिंग की बेहतर व्यवस्था भी कराई गई है। इससे बाजार का स्वरूप निखरकर सामने आया है और नागरिकों को सुविधाजनक माहौल मिलेगा।

हड़ताल : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी पिछले 10 दिनों से धरने पर

सद्बुद्धि यज्ञ में हवन करते हुए संविदा प्रथा दोहरी नीति व आश्वासन का किया स्वाहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

जिला अस्पताल के सामने बुधवार को अनोखा प्रदर्शन, शासन-प्रशासन से दोहराई मांग

एनएचएम कर्मियों ने दसवें दिन हड़ताल स्थल पर ही सदबुद्धि यज्ञ किया। हवन करते हुए कर्मियों न संविदा प्रथा, दोहरी नीति और आश्वासन का स्वाहा -स्वाहा जाप करते रहे। खास बात यह रही कि हवन के दौरान कई एन एच एम कर्मचारी द्वारा नरेन्द्र मोदी , मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ के दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव व विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ पी चौधरी का मुखौटा पहने शामिल हुए। हवन के द्वारा प्रार्थना की गई कि भगवान इनको सदबुद्धि दे और एनएचएम कर्मचारियों को रेगुलर कर संविदा प्रथा और संविदा भर्ती बंद दे।

स्वास्थ्य सेवाएं ऐसे हो रही प्रभावित

एनएचएम कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. आलोक शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी छोटे सरकारी अस्पताल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और उप स्वास्थ्य केन्द्र बंद है। वहां के डाक्टर ,स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन तथा सभी एन एच एम कर्मचारी हड़ताल पर जाने से स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। साथ ही जिला चिकित्सालय दुर्ग में मरीजों की संख्या बहुत बढ़ गयी है। जिला चिकित्सालय दुर्ग के 60 प्रतिशत कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से रेगुलर स्टाफ पर काम का लोड बढ़ गया है। जिला चिकित्सालय दुर्ग में आईसीयू , एस एन सी यू ,डी ई आई सी के सभी एन एच एम के डाक्टर ,नर्स और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हड़ताल पर जाने से मरीज को बहुत परेशानी हो रही है। साथ ही श्रवण जांच केंद्र पूरी तरह बंद है। हमर लैब के स्टाफ की कमी के कारण बीएससी नर्सिंग के बच्चे सैंपल निकल रहे हैं। और रिपोर्ट बांट रहे हैं। और जिला चिकित्सालय दुर्ग में स्टाफ की कमी के कारण हमर लैब ,सभी वार्ड, ब्लड बैंक, एक्स रे लैब , सोनोग्राफी लैब में भी बीएससी नर्सिंग और जीएनएम नर्सिंग स्टूडेंट की ड्यूटी लगाई गई है। ट्रेनिंग में आने वाले बीएएमएस जो अनुभवी नहीं है। ऐसे डाक्टर की ड्यूटी लगाकर काम चलाया जा रहा है। और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तथा सभी गांवों में टीकाकरण का काम प्रभावित है। छोटे बच्चों को टीका नहीं लग पा रहा है। साथ ही टी बी के मरीजों को भी परेशानी हो रही है। क्यो दवा उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। तथा उनकी काउंसलिंग का काम भी बंद हैत।

हड़ताल स्थल पर ही महिलाओं ने मनाया तीजा पर्व

छत्तीसगढ़ का प्रमुख त्योहार तीज पर्व पर भी कई महिला एनएचएम कर्मी ऐसी थी जो हड़ताल में बकायदा शामिल हुई। अपने बच्चों तक को लेकर यहां आई। इस दौरान पर्व का नजारा पंडाल में ही दिखाई दिया। महिलाएं एक दूसरे के हथेली में मेंहदी लगाई। भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की और इस पर्व को अनूठे अंदाज में मनाया।

कोरोनाकाल में जान जोखिम में डाला

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मियों का कहना है कि कोरोना काल में जहां पुरे देश में कोरोना महमारी के चपेट में थी । उसी समय यही स्वास्थ्य विभाग के एन एच एम के अधिकारी से लेकर कर्मचारी अपने जान को जोखिम में डालकर आम जनता की सेवा की । उन्हें कोरोना से खुद के मृत्यु होने का डर भी नहीं था । वे अपने परिवार और अपने छोटे बच्चों को घर में छोड़कर कोरोना से पीड़ितों के उपचार में अपना जीवन व्यतीत किये। पर अभी छत्तीसगढ़ की सरकार उनकी मांगों को पूरा नहीं कर रही है। एन एच एम के कर्मचारियों का सैलरी इतना कम है । कि उनसे ज्यादा मजदूरी करने वाले लोग कमाते हैं। एन एच एम कर्मचारियों को अपने परिवार तथा घर का रोजी रोटी चलाने में बहुत दिक्कत का सामना इस मंहगाई में करना पड़ रहा है।

पूरे 11 दिन चलेगा शहर में विशेष स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

गणेश चतुर्थी का पर्व शहर में उल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिक निगम ने नागरिकों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। महापौर अलका बाघमार

- आयुक्त सुमित अग्रवाल ने जारी किए निर्देश

और आयुक्त सुमित अग्रवाल ने संयुक्त बयान में कहा कि गणेशोत्सव के दौरान पंडालों और घरों में विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी और संस्कृति का भी हिस्सा है कि हम अपने शहर को स्वच्छ बनाए रखें। निगम प्रशासन की ओर से सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। जहां-जहां गणेश पंडाल स्थापित होंगे, वहां सफाईकर्मी नियमित रूप से कचरा संग्रहण करेंगे।

निगम प्रशासन ने पहले से ही सफाई कर्मचारियों को निर्देशित कर दिया है कि वे पूरे त्यौहार के दौरान अलर्ट मोड पर रहें। कचरा संग्रहण के लिए अतिरिक्त वाहन तैनात किए जाएंगे और पंडालों के आस-पास सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्वच्छ वातावरण से त्योहार के दिनों में नागरिक स्वस्थ रहेंगे और नगर का वातावरण भी शुद्ध व स्वच्छ बना रहेगा। निगम प्रशासन ने साफ किया कि अकेले प्रशासन से स्वच्छता अभियान सफल नहीं होगा, इसके लिए प्रत्येक नागरिक का सहयोग अनिवार्य है।

त्यौहारी सीजन को देखते हुए निगम ने यह निर्णय लिया है। वर्तमान में गणेश उत्सव चल रहा है इस वजह से प्रमुख रूप से बाजारों में भीड़ अधिक है। इसके कारण सफाई को लेकर विशेष अभियान चलाए जाने का निर्णय लिया गया है। महापौर अलका बाघमार स्वयं नियमित रुप से वार्डों का निरीक्षण करेंगी। इधर आयुक्त ने सभी सफाई सुपरवाइजरों को आदेशित किया है कि सफाई पर विशेष ध्यान दें।

महापौर व आयुक्त ने नागरिकों से की अपील

महापौर और आयुक्त ने कहा कि नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। कचरे को कहीं भी न फेंकें, बल्कि उसे निगम द्वारा निर्धारित डस्टबिन या कचरा वाहन में ही डालें। इससे न केवल शहर की सुंदरता बनी रहेगी बल्कि बीमारियों का खतरा भी कम होगा। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि गणेशोत्सव का यह पावन अवसर हमें 'स्वच्छ शहर, स्वस्थ नागरिक' का संकल्प दिलाता है। आइए, इस पर्व को हम सब मिलकर न केवल आस्था और श्रद्धा के साथ मनाएं, बल्कि अपने शहर को भी साफ-सुथरा रखने की जिम्मेदारी निभाएं।

शिक्षानीति की आत्मा है संस्कृत, जिसने बनाया भारत को विश्वगुरु

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान द्वारा पन्द्रह दिवसीय संस्कृत महोत्सव का सफल सम्पूर्ति समारोह सम्पन्न हुआ। आभासीय पटल पर लोकप्रिय हुए इस समारोह से उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा के साथ अन्य प्रदेशों के विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने भी गहरी रुचि दिखाई। गूगल मीट पर उन सभी की जिज्ञासा देखते ही बनती।

- ज्ञान-विज्ञान कोष की कुंजी संस्कृत को जाना जिज्ञासुओं ने

स्वामी गोविन्द गिरि महाराज अयोध्या, आयोजक संस्थान के अध्यक्ष आचार्य नवीन शर्मा बिलासपुर एवं भिलाई के प्रसिद्ध विद्वान् डॉ.महेशचन्द्र शर्मा ने विशेष रूप से गरिमामय मार्गदर्शन दिया।समापन समारोह के मुख्य अतिथि महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय उज्जैन के पूर्व कुलपति प्रो.रमेशचन्द्र पण्डा ने बताया कि संस्कृत भारतीय ज्ञान परम्परा का मूल आधार है। डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के संस्कृत प्राध्यापक डॉ.नौनिहाल गौतम ने कहा कि ₹ज्ञानभारतम्₹ भारत शासन का नया उपक्रम है।

सत्यमेव जयते की तरह पूरे देश की संस्थाओं के आदर्श वाक्य संस्कृत में हैं। छ.ग.संस्कृत विद्यामण्डलम् के पूर्व अध्यक्ष डॉ.सुरेश कुमार शर्मा ने विस्तार से संस्कृत का महत्त्व रेखांकित किया और छत्तीसगढ़ी-संस्कृत शब्दकोश रचना की जानकारी दी। भिलाई के आचार्य डॉ.महेशचन्द्र शर्मा ने कहा कि नाट्यशास्त्र विश्व धरोहर है और नटराज शिव नाटक और नृत्यों के आराध्य देव हैं।

साथ ही 14 माहेश्वर सूत्र उनके डमरू से निकले हैं। आयोजन के सूत्रधार डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि 15 दिवसीय यह ज्ञान यज्ञ और परिचर्चा यह सिद्ध करने में पूर्ण सफल रहा कि ₹ संस्कृत विज्ञान का आधार है₹ । इस दौरान श्लोकपाठ प्रतियोगिता, गीता प्रश्न मंच प्रतियोगिता एवं संस्कृत सम्भाषण प्रतियोगिता में भी सक्रिय भागीदारी रही। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की डॉ.पूर्णिमा केलकर, आचार्य मुकेश चौबे, आचार्य युवराज मिश्र, डॉ. रूपेन्द्र राधेश्याम तिवारी एवं आचार्य हेमन्त शर्मा आदि का विशेष सहयोग रहा। इस डॉ. तोयनिधि वैष्णव, डॉ.दिव्या देशपाण्डेय, दुर्गेश नन्दिनी सोनी,सरस्वती श्रीवास्तव, ईश्वरी देवांगन, श्रद्धा दुबे, ईश्वरी प्रसाद साहू , शैलेश कुमार शर्मा, मनोज वैष्णव, पुराणिक निषाद, सन्तोष बघेल एवं रामायण साहू आदि अनेकानेक संस्कृत शिक्षक वृन्द जुड़े रहे।

साइंस कॉलेज के मनोविज्ञान के छात्र परिषद ने ली शपथ

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में मनोविज्ञान छात्र परिषद का गठन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. उषा किरण अग्रवाल, प्राचार्य चंदूलाल चन्द्राकर, शासकीय पीजी महाविद्यालय, धमधा द्वारा मनोविज्ञान छात्र परिषद के सदस्यों को शपथ दिलाई गई। डॉ. उषा किरण अग्रवाल ने व्याख्यान में व्यक्तित्व विकास एवं मानसिक स्वास्थ्य के विभिन्न पक्षों को उजागर किया। छात्र परिषद की महत्ता को भी रेखांकित किया।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिनेष सुराना ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मनोविज्ञान छात्र परिषद गठन किए जाने की सराहना की और पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह से अनुमति एवं आर्शीवाद प्राप्त कर मनोविज्ञान छात्र परिषद का गठन किया गया। पदाधिकारियों में अध्यक्ष ईशा राजपूत,उपाध्यक्ष दीपांशु महार, कोषाध्यक्ष अंजली वर्मा, सचिव तान्या देवांगन, सह-सचिव पीयूष शामिल हैं। दीपांशु महार एवं तान्या देवांगन ने कार्यक्रम का संचालन व ईशा राजपूत ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

पति-पत्नी ने किया देहदान, सौंपा वसीयत

दुर्ग। कसारीडीह कन्हैयापुरी निवासी पूर्व बीएसपी कर्मी कृष्ण कुमार देवांगन एवं उनकी पत्नी श्रीमती कस्तूरी देवांगन ने प्रेरणादायी कदम उठाते हुए देहदान का संकल्प लिया। इस कार्य के लिए उन्होंने अपनी देहदान की वसीयत नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों कुलवंत भाटिया, राजेश पारख, रितेश जैन एवं सुरेश जैन को सौंपी।

कृष्ण कुमार देवांगन के पुत्र अनुज देवांगन, उनके भाई आशीष देवांगन, बहु मनीषा देवांगन एवं मालती देवांगन ने इस निर्णय के लिए अपनी सहमति प्रदान की। नवदृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों ने देवांगन दंपति के इस मानवता के प्रति समर्पण और देहदान के निर्णय की प्रशंसा की तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शासकीय महात्मा गांधी हायर सेकंडरी स्कूल में खेल सप्ताह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अन्तर्गत खेल सप्ताह के उपलक्ष्य बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करते हुए

- बालिकाओं के लिए 100 मीटर दौड़ का आयोजन

खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालिकाओं ने उत्सापूर्वक हिस्सा लिया। बालिकाओं के लिए 100 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें प्रशंसनीय प्रदर्शन किया। दौड़ में बालिकाओं को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान दिया गया।

जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू से मिली जानकारी अनुसार इस खेल सप्ताह का मुख्य उद्देश्य, संदेश समाज में बालिकाओं को

आत्मनिर्भर व स्वस्थ जीवन-यापन करने के साथ ही परिस्थिति निर्मित होने की स्थिति में स्कूल, कॉलेज, कोचिंग के मार्ग में अवांछित तत्वों द्वारा छेड़खानी करने, अपशब्दों का प्रयोग करने व पीछा करने की स्थिति में हेल्प लाईन नंबर का उपयोग प्रथमतः वे स्वयं की सुरक्षा करने में कर सकती हैं। इस कार्यशाला में बालिकाओं को खेल का महत्व शारीरिक गतिविधि के लाभ के बारे में बताते हुए अपनी रूचि के खेलों को दैनिक दिनचर्या में सम्मिलित करने की समझाईश दी गई। खेल मनुष्य के मानसिक गतिविधि के लिए भी आवश्यक है शतरंज, लूडो आदि से मनुष्य के मानसिक विकास अत्यंत तीव्र गति से होता है, इसकी जानकारी दी गई। कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास की टीम द्वारा विद्यालय में उपस्थित किशोरी बालिकाओं को महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सखी वन स्टॉप सेंटर, बाल विवाह रोकथाम, पॉक्सो एक्ट, करियर गाइडेंस, मोबाइल की उपयोगिता, अनजान व्यक्ति, नंबर से सावधानी, घरेलू हिंसा, महिला हेल्प लाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्प लाइन 1098 की जानकारी दी गई। विद्यालय में उपस्थित प्राचार्य माधुरी देवांगन, शिक्षक एवं विद्यार्थियों को सीता कन्नौज से, महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) से, लक्ष्मीकांत यादव जेण्डर विशेषज्ञ, नमित्ता चतुर्वेदी कार्यालय सहायक, चाइल्ड हेल्प लाइन से सुश्री रेणुका, चन्द्रशेखर नायक, सखी वन स्टॉप सेंटर से कविता डोरले काउंसलर नेमेश्वरी सेन पैरालिगल कार्मिक एवं अन्य उपस्थित रहे।

शिकायत के बाद भी प्रशासन ने नहीं लिया गंभीरता से, लोगों का गुजरना मुश्किल

रायपुर नाका अंडर ब्रिज को लेकर लोगों में दहशत, गड्ढों ने बढ़ाई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

रायपुर नाका स्थित रेलवे अंडर ब्रिज इन दिनों लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। लोग इस ब्रिज से गुजरने को लेकर दहशत में हैं। मार्ग पर जानलेवा गड्ढे और हल्की बारिश के बाद बिजली गुल होने से यह परेशानी सामने आ रही है।

- 10 दिनों में 7 से ज्यादा बार हो चुकी दुर्घटना

खास बात यह है कि इसे लेकर लगातार नगर निगम और रेलवे के अधिकारियों को वस्तु स्थिति से अवगत कराया जा रहा है। बावजूद इसे अब तक गंभीरता से नहीं लिया गया है। पिछले करीब तीन महीने से ऐसे ही हालात बने हुए हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी इस तरफ ध्यान नहीं दिया है। जबकि पटरीपार के सिंधिया नगर, कातुलबोड़, स्मृतिनगर, तितुरडीह को जोड़ने के लिए यह अंडरब्रिज सबसे अहम माना गया है। खास बात यह है कि महापौर अल्का बाघमार भी स्वयं इस मार्ग से गुजरती हैं, लेकिन उन्होंने भी इसके मेंटेनेंस को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई है।

पानी जमा होने से गड्ढे हो जाते हैं जानलेवा

जानकारी के मुताबिक रेलवे अंडर ब्रिज में कई जगहों पर बड़े गड्ढे हैं। बारिश होन पर इनमें पानी भर रहा है। पानी भरने के बाद दोपहिया वाहन इससे गुजरते हैं। गड्ढा बड़ा होने की वजह से कई बार सड़क हादसे हो चुके हैं। लोग गिरकर घायल भी हो चुके हैं। गिरने के बाद वे खुद ही उठते हैं, और निगम को कोसकर आगे बढ़ जाते हैं। कमोबेश रोजाना ऐसे ही हालात बन रहे हैं। समस्या लगातार बढ़ते जा रही है। बावजूद जिम्मेदारों ने गंभीरता नहीं दिखाई है।

हल्की बारिश और तेज हवा के बाद बिजली गुल

स्थानीय लोगों ने बताया कि हल्की बारिश और तेज हवा के बाद अंडर ब्रिज में लगी लाइट बंद पड़ जाती है। इसकी वजह से पूरे ब्रिज में अंधेरा रहता है। ऐसे में कई बार संदिग्ध गतिविधियां भी हो जाती है। शरारती तत्व जोर-जोर से आवाज लगाते हैं। ऐसे समय में महिलाओं और युवतियों का रात के समय इस अंडर ब्रिज से गुजरना मुश्किल हो जाता है। डर की वजह से उन्हें वाइशेप ब्रिज से होकर गुजरना पड़ता है। कुछ लोग मजबूरी के बाद भी इस अंडरब्रिज से गुजरते हैं। करीब 400 मीटर लंबे इस अंडर ब्रिज में कई बार हादसा हो चुका है, लेकिन अब तक सुरक्षा को लेकर ध्यान नहीं दिया गया है।

त्याग, लगन और समर्पण का जीवंत उदाहरण है सशिमं जामगांव : सिन्हा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर 35 वाँ स्थापना दिवस मंगलवार को मनाया गया। डॉ हेडगेवार सदन हाल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम ने मनमोहक छटा बिखेरी। समारोह के अतिथि छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा, रविशंकर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ शिवकुमार पांडेय, छत्तीसगढ़ शासन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चीफ इंजीनियर कुटुंब, प्रबोधन प्रांत संयोजक हरिओम शर्मा और सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर अध्यक्ष राम भरोसा सोनी मंचासीन रहे।

अतिथियों ने इस दौरान वृक्षारोपण किया। अपने उद्बोधन में छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने कहा कि 26 अगस्त 1991 को मात्र 22 बच्चों से शुरू हुआ सरस्वती शिशु मंदिर जामगांव आर संस्कार, त्याग, लगन और समर्पण का जीवंत उदाहरण है। रविवि पूर्व कुलपति डॉ शिवकुमार पांडेय ने कहा कि संस्कारित शिक्षा माता पिता गुरु का सम्मान करना सिखाती है। समारोह को कुटुंब प्रबोधन प्रांत संयोजक हरिओम शर्मा, जनपद सभापति प्रणव शर्मा और सेजस पूर्व प्राचार्य राजेश पिल्लई ने भी संबोधित किया।

स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित हुई विभूतियां

इनका हुआ सम्मान

आयोजन में प्राचार्य पूरनलाल बारले, उपप्राचार्य लिकेश्वर साहू, सांस्कृतिक प्रभारी दिव्या चंद्राकर, हाथेश्वर साहू, पवन बंछोर, धनेश्वरी साहू, प्रीति साहू, सुनीता सेन, परमानंद टंडन, शशि यादव, डामिन साहू, काजल धनकर, दीपिका साहू, डाकेश्वरी साहू, अवधराम मंडावी, संतराम, तिलक वर्मा, देवसिंह देवांगन, चेतन निषाद,तानिया साहू, धात्री चंद्राकर, टिकेश्वरी डाली, मोनिका, रूबी साहू, सेजल लावण्या, पुष्कर, ऋतिका, टेकेश्वर, आयुष, दीवार, मोनिका, नारायणी साहू, लोमस सोनवानी, टाकेश्वर, गीतांजलि, कनक यदु, वैभव यदु और पायल सेन आदि का सम्मान स्मृति चिह्न व उपहार देकर किया गया। संचालन सांस्कृतिक प्रभारी दिव्या चंद्राकर आभार संस्थान विभाग समन्वयक हरिश्चंद्र साहू ने किया। पूर्व छात्र सौरभ राठी राहुल राठी का सराहनीय योगदान रहा।

उपस्थित रहे प्रमुख अतिथि

छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता अभिनेता लिलेश्वर सिन्हा, पाटन जनपद सभापति प्रणव शर्मा, विभाग समन्वयक हरिश्चंद्र साहू, रेवाराम सोनी, भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष नारद साहू, सेजस पूर्व प्राचार्य राजेश पिल्लई, राजाराम सिंह, अतुल नागले, सरपंच रूपेंद्र शुक्ला, सुशील कर्मकार, कृष्णकुमार वर्मा, प्रदीप जैन, पीएन शर्मा, नेतराम निषाद, जोगीराम साहू और छन्नू लाल साहू अतिथियों का स्वागत विद्यालय परिवार से अध्यक्ष कामता प्रसाद साहू, प्रमोद जैन, डॉ के एस देवांगन , डॉ गुलाब साहू और श्यामलाल चंद्राकर ने किया।

खबर संक्षेप

युवाओं को करियर मार्गदर्शन देंगे 30 को

धमधा। जन समुदाय के सहयोग से संचालित 'नींव पुस्तकालय' में नगर एवं आसपास क्षेत्र के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में विशेष मार्गदर्शन मिल रहा है। इसी कड़ी में पुस्तकालय के सहयोग से मंगल भवन बाजार पारा धमधा में कैरियर मार्गदर्शन शिविर का आयोजन 30 अगस्त को किया जा रहा है। परीक्षाओं में सफल हुए हस्तियों से साक्षात्कार के साथ साथ विभिन्न कोचिंग संस्थाओं के विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे। इनमें भूपेंद्र कुलदीप कुलसचिव ,हेमचंद यूनिवर्सिटी दुर्ग , चिरंजीव जैन , सचदेवा कोचिंग इंस्टीट्यूट भिलाई, जगमोहन सिंहा, आईटीआई विशेषज्ञ दुर्ग, रविन्द्र नाथ पाणिग्रही ,प्रतियोगी परीक्षा विशेषज्ञ, सुमित श्रीवास्तव, दिल्ली आईएएस अकादमी भिलाई शामिल हैं।

निधन

चंद्रकांता सिन्हा

भिलाई। सड़क 1 आशीष नगर पूर्व रिसाली निवासी चंद्रकांता सिंन्हा

का निधन बुधवार को हो गया। उनका अंतिम संस्कार 28 अगस्त को रिसाली मुक्ति धाम में किया जाएगा। वे अरविन्द सिन्हा व राजकुमार सिन्हा की मां थीं।

किशोरी पंडा

भिलाई। सेक्टर 6 सड़क एवेन्यू ई, ब्लॉक नंबर 7 एफ सेक्टर 6 निवासी किशोरी पंडा पति पूर्व बीएसपी कर्मी स्व.एकादशी पंडा का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार राम नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के वरिष्ठ सदस्य वरिष्ठ पत्रकार अशोक पंडा, अरुण पंडा, पत्रकार अनिल पंडा, रघुनंदन पंडा, अजीत पंडा की मां और श्वेता धर, शशि शेखर, सौम्या, सोमेश की दादी थीं।

मुहिम : छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती पर जारी है आयोजन

'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' के नारे के साथ निकाली रैली, किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

छत्तीसगढ़ राज्य रजत जयंती वर्ष पर 'बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ' अंतर्गत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रसमड़ा में कार्यक्रम का आयोजन रैली निकाल कर किया गया। परियोजना दुर्ग ग्रामीण में जिला कार्यक्रम अधिकारी आर. के. जांबुलकर एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, जनपद सदस्य नंदकुमार साहू और भाजपा मंडल से हेमंत सिन्हा उपस्थित थे। अतिथियों के स्वागत पश्चात परियोजना अधिकारी दुर्ग ग्रामीण ऊषा झा ने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी एवं उद्देश्यों के बारे में बताया।

पर्यवेक्षक शशि रैदास ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। जिला परियोजना समन्वयक जयप्रकाश पटेल ने साइबर क्राइम, चाइल्ड हेल्पलाइन, बालिका सुरक्षा, पॉक्सो एक्ट, महिला हेल्पलाइन नंबर और बाल श्रम पर एवं महिलाओं के कानूनी अधिकार के विषय मे विस्तार से बताया । जिला पंचायत सदस्य एवं एडवोकेट प्रिया साहू ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम पर बताया कि 18 से कम उम्र की लड़की एवं 21 से कम उम्र के लड़के का विवाह क़ानूनन अपराध है । महतारी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया जिसमें 97 बालिकाओं और 12 महिलाओं का एचबी जांच की गई। कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध में गरिमा चतुर्वेदी, द्वितीय नीलम शर्मा तृतीय पूजा साहू रंगोली, में प्रथम दुर्गा साहू द्वितीय जीत साहू तृतीय मुस्कान साहू पेटिंग प्रतियोगिता में ओंकार सारथी कनिका क्रमशः पहला दूसरा तीसरा स्थान प्राप्त किया। जिसमे विजेताओं को पुरस्कृत किया गया तथा किशोरी बालिकाओं को सैनिटरी पैड भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी दुर्ग श्रीमती ऊषा झा ने बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने हेतु शपथ दिलाई। स्वास्थ्य विभाग से नंदकुमार साहू, अनुपमा सिंह, उमा साहू, विद्यालय के प्राचार्य एम एल चंदेल एवं अन्य शिक्षक गण, कार्यकर्ता जानकी निषाद गिरजा ठाकुर, लता यादव सहित सभी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों के साथ ग्रामवासियों ने भी दी भागीदारी

गाड़ियों के जले ऑयल से बनाया रसोई ईंधन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सेलूट

बढ़ती महंगाई और महंगे गैस सिलेंडरों के बीच दुर्ग जिले के पाटन ब्लॉक के ग्राम अचानकपुर के किसान राजकुमार साहू ने एक अनोखी खोज कर सबको चौंका दिया है। उन्होंने गाड़ियों से निकलने वाले जले हुए ऑयल को प्रोसेस करके ऐसा ईंधन तैयार किया है, जिससे रसोई का चूल्हा आसानी से जलाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में ब्लोअर का उपयोग किया गया है, जिसकी मदद से जला हुआ ऑयल बेहतर तरीके से जलता है और चूल्हे की आंच स्थिर बनी रहती है।

राजकुमार साहू का कहना है— "मैंने देखा कि गाड़ियों से निकलने वाला जला ऑयल अक्सर फेंक दिया जाता है। सोचा क्यों न इसे काम में लाया जाए। थोड़ी मेहनत और प्रयोग के बाद ब्लोअर की मदद से मैंने इसे रसोई में जलाने लायक ईंधन बना लिया। मैंने इस ईंधन का उपयोग करके देखने के बाद एक लीटर जले हुए ऑयल से चार लोगों का खाना एक सप्ताह तक बनाया जा सकता है। इस ईंधन का इस्तेमाल का उपयोग कर इसे एलपीजी सिलेंडर के विकल्प के तौर पर उपयोग किया जा सकता है। जिससे घरेलू खर्च में बड़ी बचत हो सकती है। यदि इस पहल को सरकारी सहयोग और वैज्ञानिक परीक्षण के बाद बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाए तो यह रसाई ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ी क्रांति साबित हो सकती है। किसान राजकुमार साहू ने इसके पूर्व देशी जुगाड से गोबर घोलक यंत्र भी बनाया था।

■ अचानकपुर गांव निवासी किसान राजकुमार साहू का अनूठा प्रयोग

शिक्षक व कर्मचारी संगठन ने गजेंद्र से की मुलाकात

ननकट्टी। शासकीय अनुदान प्राप्त शिक्षक एवं कर्मचारी संगठन के दुर्ग इकाई के द्वारा नव नियुक्त शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से मुलाकात कर सम्मान समारोह के लिए समय मांगा। जिस पर मंत्री ने व्यस्ततम कार्यक्रम होने के कारण सितंबर में समय देने की बात कही है। भेंटवार्ता में इकाई के अध्यक्ष अर्जुन सिंह महलवार सचिव तीरथ राम धनकर कोषाध्यक्ष एवं प्रभारी प्राचार्य सुरेंद्र राजपूत दारप्र राष्ट्रीय उ माध्य विद्यालय दुर्ग, प्राचार्य शहीद भगत सिंह उमा विद्यालय दुर्ग चंद्रिका प्रसाद अग्रवाल, प्रधान पाठक मारवाड़ी विद्यालय से घनश्याम लाल काशी, शिक्षक शेषनारायण हरमुख उपस्थित थे। गौरतलब है कि नवनियुक्त शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की प्राथमिक शिक्षा शासकीय अनुदान प्राप्त शाला मारवाड़ी विद्यालय दुर्ग से ही प्रारंभ हुई थी।

तीज मिलन पर सामूहिक करू भात में बहनें हुईं शामिल, सुनाए गीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

समीपस्थ ग्राम औंरी में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी तीज मिलन पर ग्राम के युवा साथियों ने सामूहिक करू भात का भव्य आयोजन किया । जिसमें तीजहारिन बहनें बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। साहू समाज कर्मा मंदिर प्रांगण में बहनों ने पंक्तिबद्ध बैठकर भारतीय परंपरा के अनुसार मंत्रोच्चार के बाद भोजन ग्रहण किया। अंत में धार्मिक प्रश्नोत्तरी रखी गई, जिसमें बहनों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। बहने अपने भाइयों को आशीष एवं दुआएं दे रही थी ऐसा आयोजन हमेशा होती रहे। करू भात की परंपरा के बारे में विस्तृत जानकारी द्वारिका प्रसाद साहू, नीलकंठ साहू सेवानिवृत्त सीआई एसएफ, योगेंद्र साहू प्राचार्य, विष्णु प्रसाद एवं डॉ गुलाब साहू ने दी। बहनों के ने गीत-कविता सुनाया। इनमें पूर्णिमा साहू, संतोषी साहू, हेमलता साहू, पूर्णिमा चंद्राकर, दुलारी चंद्राकर, श्वेता चंद्राकर, तनुजा साहू, डिलेश साहू, गायत्री साहू, लिलेश्वरी यादव, रुक्मणी यादव, दुलारी निर्मलकर, लीला साहू, ज्योति साहू, पुष्पा साहू और गोदावरी साहू आदि का विशेष सहयोग रहा। युवा साथियों में मनीष साहू ,रवि साहू, नोहर साहू, सीताराम साहू, रोशन साहू, विदेशीसाहू, निर्मल साहू, केशव साहू राजेंद्र साहू, हर्षवर्धन साहू, समीर निर्मलकर, बसंत साहू, रेखराज यादव, देवन कुमार साहू, कैलाश यादव और दयाल साहू आदि की भरपूर सहयोग रहा।

■ औंरी में तीज मिलन पर करू भात का आयोजन

पंचायत सचिव की बर्खास्तगी के बाद शिकायतकर्ताओं ने की और भी कड़ी कार्रवाई की मांग, लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

ग्राम पंचायत गोढ़ी के पंचायत सचिव रहे महेश कुमार रात्रे को 31.46 लाख रुपये के गबन के आरोप में बर्खास्त कर दिया गया है। बर्खास्तगी के बाद अब शिकायतकर्ता और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे है। शिकायतकर्ता रविशंकर सोनके ने एक प्रेस वार्ता में रात्रे के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं। सोनके ने कहा कि यह पैसा ग्राम गोढ़ी में जनता के हित के लिए आया था जिससे गांव का विकास होता, लेकिन महेश रात्रे ने अपने स्वार्थ के लिए राशि का गबन कर लिया। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि रात्रे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए और शीघ्र ही गबन की गई राशि की वसूली की जाए। रविशंकर सोनके ने बताया कि उन्होंने सूचना के अधिकार के तहत लगभग 11 वर्षों की जानकारी प्राप्त करने के बाद यह शिकायत 24 अक्टूबर 2024 को दर्ज की थी। उनकी शिकायत में, महेश कुमार रात्रे ने अपने पद पर रहते हुए विकास कार्यों की राशि का गबन किया। रात्रे ने अपने खुद के नाम पर एम.के. ट्रेडर्स और अपने अधीनस्थ कर्मचारी के नाम पर जे.एस. ट्रेडर्स और जे.एस. हार्डवेयर एंड सैनिटरी जैसे फर्जी ट्रेडर्स बनाकर बिलों का भुगतान किया। जांच में यह पाया गया कि यह नंबर रात्रे ने एयरटेल कंपनी से लिया था। जांच दल के अनुसार, रात्रे ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए फर्जी बिलों के माध्यम से कुल 33,46,711 रुपये का भुगतान किया, जिसमें 6,02,407 रुपये का वैट भी शामिल था। जिला पंचायत दुर्ग ने सभी साक्ष्यों और दस्तावेजों की जाँच के बाद महेश कुमार रात्रे को दोषी पाया। रात्रे पर फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने और अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार का भी आरोप था। इन सभी अनियमितताओं के कारण उन्हें पंचायत सचिव के पद से बर्खास्त कर दिया गया। इस प्रेस वार्ता में अनिल रात्रे, अगन खुटेल, रवि सोनके, राजू जांगड़े, राजू विश्वकर्मा, रोशन यादव, कृष्णा डहरिया, दुर्गा विश्वकर्मा, नंदकुमार ठाकुर, आदित्य सोनके, लोकप्रकाश सोनके सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहें।

आरोपी को जेल भेज वसूली जाए राशि

"महेश रात्रे पर भ्रष्टाचार एवं राशि गबन को लेकर शिकायत की गई थी। जिसमें जिला पंचायत दुर्ग सीईओ द्वारा जांच में आरोप सही पाया गया और उसे बर्खास्त किया गया। हम चाहते है कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। और गबन की गई राशि की वसूली की जाए। आरोपी को जेल भेजा जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

रविशंकर सोनके, शिकायतकर्ता

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

भिलाई। ओम ज्वेलर्स के संचालक ने तीज पर्व एवं गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दी है। शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक ज़ेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c)833(20c)750(18c)टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मासूम ने दिखाई हिम्मत : नकली पैरों के सहारे नए जीवन की शुरुआत

दुर्ग। किस्मत ने भले ही 13 साल की मासूम बच्ची के सपनों पर गहरी चोट की हो, लेकिन उसकी हिम्मत हर किसी के लिए मिसाल बन गई है। दुर्ग के आरोग्यम सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टरों को मजबूरी में उसके दोनों पैर काटने पड़े, लेकिन ऑपरेशन के बाद उसे कृत्रिम पैर (प्रोस्थेटिक लिम्ब्स) लगाए गए हैं। अब वही बच्ची फिर से खड़े होने और जिंदगी को नए सिरे से जीने की तैयारी कर रही है। दरअसल, बच्ची लंबे समय से सिस्टेमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस नामक गंभीर बीमारी से जूझ रही थी। इसी दौरान उसकी दोनों टांगों में अचानक ब्लैकनिंग और इंफेक्शन फैल गया, जो तेजी से गैंग्रीन में बदल गया। हालात इतने बिगड़े कि पैरों को बचाना संभव नहीं रहा। डॉक्टरों की टीम ने लगातार कई घंटे चले ऑपरेशन में उसके दोनों पैर काटकर जान बचाई। डॉक्टरों का कहना है कि अब बच्ची को धीरे-धीरे फिजियोथेरेपी और रिहैबिलिटेशन दिया जाएगा, जिससे वह सामान्य बच्चों की तरह चल-फिर सके। परिवार ने भी उसकी हिम्मत और मुस्कुराहट को देखकर उम्मीद जताई है कि यह बच्ची अपने सपनों को नए पंख देगी। बच्ची की जिंदादिली और डॉक्टरों की मेहनत ने साबित कर दिया कि मुश्किल चाहे जितनी बड़ी क्यों न हो, हौसले से उसका सामना किया जा सकता है।

25 दिवसीय आयोजन में रोजाना जुटे कई लोग

ऑनलाइन व्याख्यानमाला में ग्रामीणों ने समझा मानस जीवन दर्शन, महिला चिंतकों ने रखे विचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जामगांव आर

रामचरित मानस की चौपाई, दोहों पर मानस व्याख्याकारों द्वारा चिंतन व व्याख्यान सहित 25 दिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान माला आयोजित की गई। रामायण, रामचरित मानस अध्ययन अध्यापन एवं प्रचार प्रसार के लिए छत्तीसगढ़ राज्य स्तर पर ₹ मानस दर्शन जीवन अर्पण ₹ के इस आयोजन में प्रतिदिन सौ से अधिक मानस प्रेमियों की उपस्थिति रही। इसी श्रृंखला में 19 अगस्त से 24 अगस्त तक एकादशी चिंतन यात्रा आयोजित की गई । जिसमे प्रतिदिन दो विदुषी वक्ताओं ने महिला पात्र के चरित्र पर मार्मिक चित्रण प्रस्तुत किया। इनमें कृतिका कलिहारी कौशिल्या चरित, लेखनी वर्मा अहिल्या चरित,लीना साहू सुमित्रा चरित, सुनीता साहू कैकेई चरित, संगीता निषाद उर्मिला चरित, यशोदा साहू अनुसूईया चरित, पुष्पांजलि सिन्हा सीता चरित, अंजु शर्मा मंदोदरी चरित,आरती साहू स्वयं प्रभा चरित, संतोषी साहू सबरी चरित एवं पुष्पा मिश्रा ने पार्वती चरित पर विश्लेषण किया। प्रतिदिन संचालन अंजलि गुहा, सविता सोन, वंदना साहू और गंगा वर्मा आदि ने किया।

शिक्षाविद छन्नूलाल साहू ने इस एकादशी चिंतन यात्रा पर कहा कि यह एक प्रकार से परमात्मा के दिव्य स्वरूप को प्राप्त करने या अनुभूति करने का उत्कृष्ट आयोजन है। मानस दर्शन जीवन अर्पण पटल के संस्थापक दीपक गुहा का इस पटल के माध्यम से जनसामान्य को जोड़कर भारतीय संस्कृति, सभ्यता, साहित्य, वैदिक ग्रंथों अध्ययन से संरक्षण प्रदान करने का निरंतर प्रयास है। एकादशी मानस चिंतन यात्रा का संपूर्ण दैनिक संचालन मानस युवा प्रकल्प प्रभारी व्याख्याता हितेंद्र कुमार साहू ने किया।

नाम परिवर्तन

मैं भुवनराम शार्दुल पिता श्री मधुसुदन आयु 41 वर्ष निवासी महकापाल तह. दरभा जिला बस्तर छ.ग. का निवासी हूं, जोकि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करता हूं।

1. यह कि मैं आरक्षक के पद पर बस्तर थाना में वर्तमान में पदस्थ हूं। मेरा क्रमांक 733 है। मेरा सही व वास्तविक नाम BHUVAN RAM SHARDUL है। जो कि मेरे अंकसूची दस्तावेज पर अंकित एवं दर्ज है। 2. यह कि मेरे सेवा पुस्तिका (सर्विस बुक) में मेरा नाम BHUVAN LAL SHARDUL नाम अंकित एवं दर्ज हो गया है। 3. यह कि दोनों नाम मेरा ही है और दोनों नाम का मैं एक ही व्यक्ति हूं। 4. यह कि सेवा पुस्तिका में सुधार कराने बाबत मेरा नाम BHUVAN RAM SHARDUL लिखा जाए एवं जाना जाए, इस बाबत शपथ पत्र पुलिस विभाग व अन्य दस्तावेज में सुधार के लिए मान्य किया जावे।

भवदीय
भुवनराम शार्दुल
BHUVAN RAM SHARDUL

खबर संक्षेप

स्मेफी के सम्मेलन में मजदूरों की जागरुकता पर जोर

भिलाई । नेशनल यूनियन ऑफ सी फेयररस एनयूएसआई ट्रेनिंग सेंटर महाराष्ट्र में स्टील मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्मेफी) की राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक हुई। स्मेफी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस डी त्यागी ने अध्यक्षता की। बैठक में स्मेफी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एचएस मिश्रा आदि शामिल हुए। महासचिव संजय बढ़ावकर व स्मेफी के अध्यक्ष एसडी त्यागी ने केंद्र सरकार की .यूनयनों के प्रति उदासीन पर कहा कि केंद्र सरकार सभी उद्योगों में कार्यरत यूनियनों को समाप्त करने के लिए प्रयासरत है। एचएस मिश्रा ने भी गुमास्ता सुरक्षा गार्ड सीमेंट उद्योग चार सहकारी शक्कर कारखाने के साथ पावर प्लांट इंजीनियरिंग एवं निजी इस्पात उद्योगों में भी यूनियन का पंजीयन करवाने की जानकारी दी। संगठन सचिव प्रेम सिंह चंदेल देवेंद्र सिंह आदि ने भाग लिया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर बीएसपी में होगा मैत्री मैच

भिलाई। राष्ट्रीय खेल दिवस पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र अपने अधिकारियों और कर्मचारियों (पुरुष एवं महिला) के लिए विविध खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन करेगा। आयोजन का संचालन क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएँ विभाग के तत्वावधान में 29 अगस्त सुबह 9 बजे सेक्टर-4 स्थित एसएए मैदान में किया जाएगा।
कार्यक्रम के अंतर्गत कर्मचारियों के लिए एथलेटिक्स स्पर्धाएँ 100 मीटर दौड़, भाला फेंक, गोला फेंक और लंबी कूद का आयोजन प्रातः 10.00 बजे से एसएए मैदान में किया जाएगा। टीम खेलों को भी इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है। सुबह 7 बजे मरोदा सेक्टर मैदान में मैत्रीपूर्ण फुटबॉल मैच खेला जाएगा, वहीं शाम 4 बजे पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 के बास्केटबॉल ग्राउंड में बास्केटबॉल मैच का आयोजन होगा। पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए प्रतियोगिताएँ होंगी। शिक्षा विभाग द्वारा खेल प्रतिभा सम्मान समारोह भिलाई निवास के बहुउद्देशीय सभागार में किया जाएगा। मुख्य अतिथि ईडी पवन कुमार होंगे।

ममता के घरौंदा से जुदा हुआ परिंदा 12 घंटे तक जीवन के लिए संघर्ष करता रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

हरभरे ऊंचे दरख्त पर झूलते नीड़ में बेजुबां परिंदे के दो खूबसूरत बच्चे ममता के पंखों की गर्माहट से खुले आसमान तले उड़ने के दिन गिन रहे थे। उनकी मां जब दूधभरे दाने के कण अपनी चोंच से उनकी चोंच में डालती तो चींचीं चींचीं के संगीत से कालोनी के नन्हे मुन्ने बैट बाल भूल खुशी से नाचने उठते थे। लेकिन बदनसीब दोनों नन्हें पखेरुओं को क्या पता था कि स्याह रात में तूफानी बारिश की विपदा शहर के आम लोगों की परेशानी के साथ उनसे ममता का घरौंदा ही नहीं छीन लेगा वरन जान पर भी बन आएगी। लेकिन मारने वाले से बचाने वाला बड़ा होता है, कि उक्ति उस समय चरितार्थ हुई जब मूसलाधार बारिश से सारी रात भीगने से ठिठुरते हुए अपने सहोदर को दम तोड़ता देखने के बाद भी मासूम परिंदे की जिजिविषा कम नहीं हुई। और जब कुछ प्रकृतिप्रेमी संवेदनशील लोगों का उसे स्नेहिल स्पर्श मिला तो उसे नया जीवन मिला।

खुले आसमान तले 12 घंटे तक जीवन और मृत्यु से जीवटता के साथ संघर्ष और सदाशतयता तथा संवेदनात्मक जज्बे की यह प्रेरक दिलचस्प दास्तां भिलाई में बीती रात तेज अंधड़ के साथ घनघोर बारिश की आपदा में छटपटाते दो नवजात बगुलों व उनकी मां की है। सेक्टर 6 पुराने बीएसपी सीनियर सेकंडरी स्कूल भवन के विशाल आम के पेड़ के घोंसले में 20,25 दिन पूर्व मादा बगुला ने दो बच्चों को जन्म दिया था। दस पंद्रह दिन में बच्चे उड़ने की स्थिति में होते।

70 फीट ऊंचे पेड़ से नीचे गिरने के बाद घायल बगुला बच्चे को मैत्रीबाग में मिला नया जीवन

चक्रवात और बारिश, पक्षी परिवार पर कहर बनकर टूटा

बुधवार को तूफानी बारिश और अंधड़ पक्षी परिवार पर भी कहर बनकर टूटा। क्षेत्रवासियों ने बताया कि मां बगुला डाली व घोसले से चिपकी आखिरी दम तक पंखों फड़फड़ाकर रक्षा करती रही लेकिन बिजली चमकते ही तेज हवा से घोंसला नीचे गिर पड़ा और दोनों बच्चे करीबन 70 फीट नीचे गिर पड़े। एक बगुले चूजे ने गिरते ही प्राण छोड़ दिए लेकिन उसके पंखों की गर्माहट से दूसरा बगुला बच्चा एक टांग टूटने के बाद भी 1 घंटे तक यानी गुरुवार को दोपहर 1 बजे तक चोंच खोल व बंद करते हुए जीवन के लिए संघर्ष करता रहा। उसकी जीने की ललक को कुछ प्रकृति प्रेमी सह्रदयी लोगों ने नए पंख दिए और उसे मैत्रीबाग जू पहुंचाकर मैत्रीबाग प्रभारी डां. एनके जैन से उपचार का आग्रह किया। डां. जैन व ललित कुमार आदि ने मरणासन्न बगुला बच्चा को हाथ में लेकर स्नेहिल गर्माहट और कर्मियों ने सत्तू के शरबत की बूंदे चोंच में डालीं। डां. जैन ने बताया कि हाल में एक गल कौएं व 5, 6 विलुप्तप्राय पक्षियों की तह यह घायल बगुला बच्चा विल पावर अधिक होने व यहां बेहतर देखभाल से जल्द सर्वाइव कर जाएगा । उम्मीद है कुछ दिन में उसे एक गल कौएं की तरह खुला आसमान भी मिल जाएगा।

सेल कर्मचारियों के वेज रिवीजन समझौता की विसंगतियों को अब तक दूर नहीं

आठ साल से अधूरे चल रहे वेतन समझौते को लेकर बीएसपी कर्मियों को फिर बंधी उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बीएसपी सहित हजारों सेल कर्मचारियों को फिर से एक बार आठ साल से लंबित अधूरे वेतन समझौता के पूर्ण होने की उम्मीद बंधी है। यूनियनों के लगातार दबाव के चलते अब दिल्ली में चीफ लेबर कमिश्नर द्वारा बैठक बुलाई गई है। कर्मियों को उम्मीद है कि दिवाली पर उन्हें दोहरी खुशी मिल सकती है।

उल्लेखनीय है कि सेल कर्मचारियों का वेज रिवीजन समझौता की विसंगतियों को अब तक दूर नहीं किया गया है। इसके चलते हजारों कर्मचारियों के 39 महीने के एरियर्स और भत्ते सहित कई सुविधाएं लंबित हैं। इस दौरान कई बार एनजेसीएस यूनियनें सेल स्तर परधरना प्रदर्शन और देशव्यापी हड़ताल कर चुकी हैं। इस बीच एचएमएस के राष्ट्रीय महासचिव संजय वढावकर ने चीफ लेबर कमिश्नर से अपूर्ण वेज रिवीजन से सेल कर्मियों में निरंतर बढ़ रहे असंतोष का ध्यानकार्षण करते हुए जल्द निदान की मांग की। इस पर चीफ लेबर कमिश्नर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नौ सितंबर को दिल्ली में चीफ लेबर कमिश्नर कार्यालय में अपूर्ण वेज रिविजन पर चर्चा करने यूनियन व प्रबंधन की बैठक बुलाई है। यूनियन के मुताबिक इसकी सूचना मिलते ही एनजेसीएस यूनियनों ने रणनीतिक तैयारी शुरु कर दी है और पिछली बार से सबक लेकर पूरी तरह एकजुटता बरतने की कवायद आरंभ कर दी है।

गौरतलब हो कि पिछली एनजेसीएस बैठक में उच्च प्रबंधन ने सर्वसम्मति की परिपाटी से हटते हुए चतुराई से बहुमत की रणनीति अपनाई थी। यूनियनों के मुताबिक इसमें प्रबंधन कामयाब हो गया और पांच केंद्रीय यूनीयन में तीन ने वेज रिवजीन एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। सीटू व बीएमएस ने विरोध करते हुए दस्तखत नहीं किए थे। लेकिन प्रबंधन की रणनीति का एहसास होते ही पांचों यूनियनें पूरी एकजुटता से अपूर्ण वेतन समझौता को पूर्ण करने पिछले आठ साल से लड़ाई लड़ रहे हैं।

10 दिन बाद चीफ लेबर कमिश्नर ने दिल्ली में बुलाई बैठक

हर माह 5 से 6 लाख का नुकसान

सेल वेतन समझौता की विसंगतियों को अब तक दूर नहीं किए जाने से हजारों सेल कर्मियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। उनका 39 महीने का एरियर्स और एचआरए सहित अन्य भत्ते लंबित हैं। यूनियनों के मुताबिक इसके चलते हर कर्मचारी को 5 से 6 लाख रुपए का नुकसान हो रहा है। यदि लंबित एरियर्स का ब्याज जोड लें तो यह राशि डेढ़ गुना हो जाती है। चीफ लेबर कमिश्नर के बैठक के प्रयास से यूनियनों को उम्मीद है कि कर्मियों के साथ न्याय होगा। प्रबंधन हठधर्मिता छोड़ कर्मियों के मनोबल को ऊंचा करने का संदेश देगा।

दोहरी खुशी मिलने की आशा

कर्मचारियों को दिवाली पूर्व दोहरी सौगात मिलने की आशा है। वे दुर्गापूजा पूर्व सम्मानजनक बोनस के साथ अपूर्ण वेतन समझौता के पूर्ण होने की भी आस लगाए हुए हैं। कर्मियों ने बताया कि यूनियनों को प्रबंधन पर मरसक दबाव बनाने की जरुरत है। गौरतलब हो कि एनजेसीएस यूनियनों द्वारा अब तक वेज रिवीजन की विसंगतियों को दूर करने बीएसपी सहित सेल की सभी यूनिटों में कई बार धरना प्रदर्शन किया जा चुका है। देशव्यापी हड़ताल की जा चुकी है। इसके बाद भी सेल प्रबंधन का ल लेटलतीफी व अड़ियल रवैये से कर्मियों में असंतोष बढ़ रहा है।

हजारों कर्मचारी हो चुके रिटायर

पिछले आठ साल के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल की सभी यूनिटों के हजारों कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं। वेतन समझौता अपूर्ण होने से इन्हें लाखों रुपए का नुकसान हुआ। हायर पेंशन में भी अलग नुकसान हो रहा है। वर्तमान में बीएसपी में करीबन 11 हजार कर्मचारियों सहित पूरे सेल में करीब एक लाख कर्मी कार्यरत हैं। कर्मचारी पीआरपी व वेज रिवीजन में अधिकारियों को महत्व मिलने से भी उपेक्षा महसूस कर रहे हैं। यूनियनों ने भेदभाव खत्म करने की मांग की है।

मैत्रीबाग में डेढ़ माह बाद खुली कैंटीन, पर्यटकों को राहत

भिलाई। मैत्रीबाग में घूमने के लिए आने वालों को अब ब्रेकफास्ट के लिए अब और भटकना नहीं पड़ेगा। करीबन डेढ़ महीने से बंद कैंटीन के खुलने से पर्यटकों ने राहत की सांस ली है। मैत्रीबाग जू में ट्विनसिटी सहित दूरदराज से आने वाले सैलानियों के लिए बीएसपी द्वारा कैंटीन का संचालन पिछले कई सालों से किया जा रहा है। लेकिन डेढ़ माह पूर्व रिन्यू आदि आदि के चलते कैंटीन को बंद कर दिया गया था। पेपर की औपचारिकताओं के बाद कैंटीन का संचालन फिर शुरु कर दिया गया है। कैंटीन के शुरु हो जाने से पर्यटकों ने राहत की सांस ली है। मैत्रीबाग में रोज भिलाई दुर्ग आसपास गावों और दूरदराज से लोग भ्रमण के लिए आते हैं। पर्यटकों ने बताया कि कैंटीन बंद होने से उन्हें गेट के बाहर नाश्ते के लिए जाना पड़ रहा था। अब राहत मिल रही है।

फल मंडी, केम्प 2, पावर हाउस भिलाई में मोबाइल टावर का विरोध

भिलाई । सूर्यानगर, महात्मा गांधी नगर, सतनाम धाम, लिंक रोड केम्प-2, भिलाई के एवं अलंकार काम्प्लपेक्स, फल मंडी के व्यवसायी द्वारा 2 दिन पहले मोबाइल टावर लगाने को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया गया था। आज सुबह फल मंडी में मोबाईल टावर लगाने को लेकर विरोध किया जा रहा है। वहां के नागरिकों का कहना है कि हम मोबाईल टावर से होने वाले मारिरिक एवं मानसिक बिमारी से भयभीत हो गये है। निवास एवं व्यवसाय के पास ही पहले भी टावर लगाने की प्रक्रिया की जा रही थी। जिससे मोहल्ले वालों ने उसका विरोध किया था। जिस कारण वहां टावर नही लगाया गया।और पूर्व स्थल के कुछ मी दूरी पर पुनः टावर लगया जा रहा है। जिस जगह पर टावर लगाया जाने वाला है वहां पर आर्थिक रुप से कमजोर लोग निवासरत है। जिसमें फल विक्रेता , ठेला चलाकर, मजदूरी कर अपना जीवन व्यापन कर रहें है। यहां के नागरिकों का कहना है कि अगर टावर लगता है तो आगे उग्र आंदोलन किया जाएगा। विरोध करने वालों में बिंदु सोनकर, मनोज मखीजा, रमेश वैश्य वकील सोनकर, विजय कुमार जायसवाल, अमित कुमार पांडे, त्रिलोचन सिंह,वार्ड के पार्षद विनोद चेलक उपस्थित थे।

सुपेला में अघोषित अहाता, खुलेआम हो रही शराबखोरी

भिलाई। सुपेला देशी शराब दुकान के पास इन दिनों अघोषित अहाता का संचालन शुरू हो चुका है, जहां खुलेआम शराबखोरी हो रही है। चखना सेंटर की वजह से आसपास के लोगों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रशासन की चुप्पी के कारण बेखौफ अहाता का संचालन हो रहा है। इस जगह पर प्रतिबंधित प्लास्टिक का भी उपयोग हो रहा है। चखना सेंटर में पानी पाउच से लेकर अन्य सामान उपलब्ध है। चारों तरफ गंदगी पसरी हुई है। न ही निगम कोई कार्रवाई कर रहा है, न ही आबकारी विभाग ने गंभीरता से लिया है। पुलिस महकमा भी महज खानापूर्ति कर लौट रहा है। नियमत: अहाता संचालन के लिए अनुमति लेनी होती है।। जानकारी के मुताबिक इस जगह पर बिना अनुमति के ही अघोषित अहाता संचालित हो रहा है।

ठेका श्रमिकों को दें जीने लायक वेतन, प्रतिनिधियों ने रखी मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

जमशेदपुर में आयोजित इंडियन नेशनल स्टील, मेटल, मेटल माइंस एंड इंजीनियरिंग एम्प्लाइज फेडरेशन के सम्मेलन में भिलाई इंटक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ठेका मजदूरों को जीने लायक वेतन की मांग पर जोर दिया गया। देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भारत में हो रहे औद्योगिकीकरण और तकनीकी बदलावों पर विमर्श किया।

■ इंडियन नेशनल इंजीनियरिंग फेडरेशन सम्मेलन

भिलाई इंटक के प्रतिनिधियों ने कहा कि कंपनियों में तेजी से बढ़ रहे ठेका प्रथा के कारण श्रमिकों के वेतन, नौकरी की स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। ठेका मजदूर स्थाई प्रकृति के कार्य कर रहे हैं एवं उत्पादन और लाभार्जन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

श्रमिकों को न्यूनतम वेतन के जगह जीने लायक वेतन सुनिश्चित किया जाए।तकनीकी बदलावों के अनुरूप श्रमिकों को कौशल उन्नयन का अवसर दिया जाए एवं काम की गारंटी सुनिश्चित हो कंपनियां श्रमिकों को केवल लागत का साधन न समझें। सम्मेलन में भिलाई से इंटक के अध्यक्ष संजय कुमार साहू और स्टील एंप्लाइज यूनियन इंटक के महासचिव वंश बहादुर सिंह, पीयूषकर एस रवि, दीनानाथ सिंग, शिव शंकर सिंह जीआर सुमन आदि ने शामिल हुए।

जन्मजात, दुर्घटना या अन्य कारणों से कटे या टेढ़े-मेढ़े
कानों की रिशेपिंग

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के ऊपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

(NABH से मान्यता प्राप्त)
सुयश हॉस्पिटल
गुर्दे की पथरी का दर्द
सबसे भयानक दर्दों में से एक है। जिसे कोई भी व्यक्ति अनुभव कर सकता है।
इसके लक्षण कारण और उपाय जानने के लिए संपर्क करें
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

निगम आयुक्त राजीव पांडेय ने किया निरीक्षण

जोन-2 जवाहर सब्जी मंडी रोड जर्जर, निर्माण जल्द होगा शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

आयुक्त राजीव कुमार पांडेय द्वारा जोन 2 अंतर्गत के एच मेमोरियल स्कूल के सामने निगम स्वामित्व के हरित क्षेत्र का निरीक्षण किया गया है।

■ उद्यान में कब्जा, तत्काल हटाने के लिए किया निर्देशित

कब्जा मुक्त कर उद्यान निर्माण हेतु शोभायमान एवं फूलदार पौधों के रोपण हेतु निर्देशित किया गया है। निगम आयुक्त द्वारा जवाहर नगर सब्जी मंडी से लगा हुआ रोड का मुआयना किया गया जो कि वर्तमान में जर्जर अवस्था में है। उक्त रोड निर्माण के लिए शासन से स्वीकृति पश्चात निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, वर्षा ऋतु पश्चात रोड का निर्माण किया जाएगा।

आवंटित की जगह में मिले किराएदार

जवाहर नगर सब्जी मंडी जिसकी ज्यादातर दुकानों की स्थिति जर्जर है, यहां गिनती के कुछ ही दुकान संचालित है। संचालित दुकान में आयुक्त द्वारा पूछताछ करने पर आवंटित दुकानदार के बदले किराएदार मिला । निगम आयुक्त द्वारा व्यवस्था में सुधार हेतु कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा को निर्देशित किया गया है ।

आम्रपाली पीएम आवास में सफाई के निर्देश

आयुक्त द्वारा आम्रपाली, प्रधानमंत्री आवास योजना से निर्मित कॉलोनी के नाली एवं सफाई व्यवस्था में आवश्यक सुधार हेतु जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा को निर्देशित किया गया है। कुरूद्ध सुंदर विहार स्थित रूरल रोड नेटवर्क मैनेजमेंट यूनिट के बाजू कच्चा रोड है, नवीन पक्का रोड निर्माण में प्राक्कलन अनुसार लगभग 82 लाख रुपए का व्यय होना संभावित है । इस रोड के निर्माण हेतु मोहल्लेवासी कई वर्षो से परेशान है और मांग कर रहे हैं, निगम आयुक्त रोड की दयनीय स्थिति देखकर तत्काल निविदा की प्रक्रिया हेतु निर्देशित किये हैं। भ्रमण के दौरान उप अभियंता अर्पित बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक सहित अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

एबीयूस अध्यक्ष की पूर्व गृहमंत्री से मुलाकात

भिलाई। भारतीय उड़िया समाज की महिला विंग जिला अध्यक्ष जयंती महानंद पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू से मुलाकात किया।श्री साहू ने अध्यक्ष को मिठाई खिलाकर जिम्मेदारी देने पर हर्ष व्यक्त किया है। जंयती महानंद ने कहा कि जिस विश्वास से समाज ने जिम्मेदारी दिया है उसे बेहतर ढंग से निभाउंगी। इस दौरान समाज के अध्यक्ष शंकर निहाल, दायराम बाघ, बबलू निहाल, राहुल दुर्गा मौजूद थे।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 28 अगस्त 2025

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

एसिडिटी को दूर भगाने योगासनों का करें अभ्यास

पहला दिन :

दृष्टि से बदलती है सृष्टि

भिलाई। भगवान गणेश रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति सफलता के देवता माने जाते हैं। दुनिया में प्रथम पूज्य हैं। जीवन के प्रबंधन में उनकी शिक्षाएं सामयिक है। आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि वेदों में कहा कि एक ईश्वर को विद्वान लोग अनेक नाम से पुकारते हैं। आर्य समाज तथा निराकार ब्रह्म को मानने वाले लोग मूर्ति पूजा को स्वीकार नहीं करते। मूर्तियां कुछ विशेष शिक्षाओं को जीवंत रूप से प्रस्तुत करने के लिए बनाई गई थी। गणपति का स्वरूप भी सफलता के सूत्रों को स्पष्ट करता है। भगवान गणेश का स्वरूप अपने आप में एक जीवंत प्रबंधन शास्त्र है। उनके बड़े कान हमें सुनने का, लंबी सूंड विवेक का, और उनका बड़ा उदर सहनशीलता का संदेश देता है। उसी तरह उनकी बड़ी आँखें हमें गहराई से देखने की प्रेरणा देती हैं। दुनिया में बहुत बार लोग केवल ऊपरी आवरण देखकर निर्णय ले लेते हैं, जैसे फल चमकदार हैं तो मीठा ही होगा, लेकिन अक्सर चमकते सेब के भीतर कीड़े भी निकल आते हैं। गणेश जी की बड़ी आँखें हमें यही चेतावनी देती हैं कि सफलता और सत्य हमेशा सतह पर नहीं मिलते।

लाइव इवेंट

याद किया देवदास बंजारे को, उनके संदेश को आगे बढ़ाने लिया संकल्प

भिलाई। गुरु घासीदास सेवा समिति द्वारा सतनाम भवन सेक्टर-6 में स्व. देवदास बंजारे की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर स्मृति शेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेवत लाल ढीढी, अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष बीएल कुर्रे ने की। विशेष रूप से रामदयाल देशलहरा, वायआर जारके उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत गुरु वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में देवदास बंजारे के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सतनाम पंथ व बाबा गुरु घासीदास के अमर संदेश उपदेश को पंथी के माध्यम से जन-जन तक पहुंचा। छत्तीसगढ़ी ही नहीं भारत वर्ष के अनेक राज्य में विदेश में भी पंथी के माध्यम से सतनाम का परचम लहराया, जिससे समाज ही नहीं बल्कि पूरा भारत वर्ष उन पर गर्व करता है। समाज के लिए किये गये योगदान व समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन समिति महासचिव एनआर गिलहरे ने किया। इस अवसर पर टेकराम बंजारे, राजेन्द्र महिलांग सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

ग्राहक तू रहेगा मौन तो तेरी सुनेगा कौन ग्राहकों को जागरूक करने अभियान

भिलाई। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सह-संगठन मंत्री विजय पाटिल का दुर्ग आगमन हुआ। सरस्वती शिशु मंदिर दुर्ग में उपभोक्ता एवं उपभोक्तावाद एवं साइबर क्राइम पर कार्यशाला आयोजित की गई। वक्ता विजय पाटिल ने ग्राहक पंचायत की पूरी कार्य प्रणाली को विस्तार से समझाया। उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्राहक शब्द को परिभाषित करते हुए कहा ग्राहक तू रहेगा मौन तो तेरी सुनेगा कौन। साइबर क्राइम विषय के प्रमुख वक्ता डॉ.संकल्प राय ने सभी उपस्थित श्रोताओं एवं विद्यालय के बच्चों को बड़े ही सरल एवं आसान शब्दों में वर्तमान की सबसे बड़ी चुनौती साइबर क्राइम अपराधों से बचने हेतु विभिन्न प्रकार के सरल एवं रोजमर्रा में घटित होने वाले उदाहरण को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रांत सचिव देवेंद्र कौशिक, संगठन मंत्री रामपाल सिंह जादौन, दुर्ग अध्यक्ष देवाशीष घोष, कृपा शर्मा, गोपीचंद साहू, बहुर आवारे, दिलीप देशमुख, धर्मेंद्र धामू, छवि गजेंद्र, संजय डहरवाल, डॉ. जमनीश देशमुख, अशोक कुमार मेहर सहित अन्य मौजूद थे।

- अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने की उपभोक्तावाद और साइबर क्राइम पर गोष्ठी

भिलाई-दुर्ग सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 10 हजार से ज्यादा छोटी-बड़ी जगहों पर प्रतिमा स्थापित

विघ्नहर्ता विराजे, जगह-जगह निकली शोभायात्रा, ट्विनसिटी में गूंजा आया सावन झूम के...गणेश आया घूम के...जयकारा

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। शहर समेत गांवों में पूरा माहौल गणपतिमय हो गया है। भिलाई-दुर्ग से लेकर गांवों और शहरों में भी गणेश चतुर्थी के दिन जगह-जगह गणेश प्रतिमा विराजित हुई। शोभायात्रा निकाली गई। हर कोई गजानन के स्वागत को आतुर नजर आया। भिलाई में सेंट्रेल एवेन्यू रोड, पावर हाउस, खुर्सीपार, शिवाजी नगर सहित अन्य जगहों पर आकर्षक झांकियों के साथ भगवान गणपति विराजित हुए। शोभायात्रा के दौरान शहर में विभिन्न प्रकार की झांकी प्रदर्शन किया गया। इसमें गणेश पंडाल और समितियों ने भगवान लंबोदर के आगमन पर जयकारे लगाए। जानकारी के मुताबिक भिलाई-दुर्ग सहित जिले में 10 हजार से ज्यादा जगहों पर गणपति विराजित हुए हैं। लोगों ने घर में भी प्रतिमा स्थापित की है। 5 सितंबर तक गणेशोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

भिलाई। विघ्नहर्ता गणपति बप्पा के स्वागत में रंग-बिरंगे सजावटी सामान और आकर्षक झांकियों से सजा हुआ नजर आया। इस बार शहर में सेक्टर-7, सेक्टर-6, सेक्टर-1, 2, शिवाजी नगर, बालाजी नगर, कैलाश नगर, हाउसिंग बोर्ड, वैशालीनगर, शांतिनगर, कोहका, नेहरूनगर, स्मृतिनगर, जुनवानी, दुर्ग में सत्तीचौरा, गंजपारा, सिंधी कॉलोनी, महाराजा चौक आदर्श नगर, बोरसी, जवाहर नगर, आदित्य नगर चौक, सिंधिया नगर सहित अन्य जगहों पर बड़ी प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। लोग अपने-अपने घरों में भी गणपति बप्पा को विराजित कर 10 दिनों तक पूजा-अर्चना का निर्णय लिया है। इन दिनों घर-घर धार्मिक वातावरण बना रहेगा। प्रतिदिन गणपति आरती, पूजा-पाठ और प्रसाद वितरण होगा। मोहल्लों में भी गणेश मंडल सक्रिय होकर आयोजन की तैयारियां कर रहे हैं। गणेश चतुर्थी को लेकर शहर के बाजारों में खास रौनक देखी गई। इंदिरा मार्केट, जीई रोड, पावर हाउस, सुपेला घड़ी चौक समेत कई स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की दुकानों पर भारी भीड़ जुट रही है। दुकानदारों ने बताया कि उनकी दुकान पर एक फुट से लेकर 10-12 फुट तक की प्रतिमाएं उपलब्ध रहीं। मिट्टी की मूर्तियों के साथ-साथ रंगीन फाइबर प्रतिमाएं भी लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं। सजावटी सामान, रोशनी, फूल-मालाएं, पूजा सामग्री और मिठाइयों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि इस बार पिछले वर्षों की तुलना में बिक्री अधिक हो रही है। आयोजन स्थल पर भजन संध्या, झांकियां, शोभायात्राएं और प्रसादी वितरण जैसे आयोजन माहौल को भक्तिमय बना दिया है।

गणेश चतुर्थी पर गणपति स्थापना के लिए रहा शाम 6:11 बजे तक मुहूर्त

पंडितों की मानें गणेश चतुर्थी पर चित्रा नक्षत्र, बुधवार और भाद्रपद महीने की चतुर्थी तिथि से शुभ संयोग बना। गणेश पुराण में बताया गया है कि ऐसे ही संयोग में देवी पार्वती ने दोपहर के समय गणपति की मूर्ति बनाई थी, जिसमें भगवान शिव ने प्राण डाले थे। गणपति की स्थापना के लिए बुधवार की शाम 6.11 तक शुभ मुहूर्त रहा। भादौ महीने की इस गणेश चतुर्थी पर गणपति को सिद्धि विनायक रूप में पूजने का विधान है। इस रूप की पूजा भगवान विष्णु ने की थी और ये नाम भी दिया। गणेश के सिद्धि विनायक रूप की पूजा हर मांगलिक काम से पहले होती है। माना जाता है गणेश जी का ये रूप सुख और समृद्धि देने वाला होता है। इनकी पूजा से हर काम में सफलता मिलती है। इसलिए इन्हें सिद्धि विनायक कहते हैं। सिद्धि विनायक रूप की मूर्ति लाल रंग की होती है। ये बैठे हुए गणेश होते हैं। मूर्ति के सिर पर मुकुट और गले में हार होता है। दायां दांत टूटा और बायां पूरा होता है। नाग की जनेऊ पहनी होती है। एक हाथ आशीर्वाद देते हुए, दूसरे हाथ में मोदक और रुद्राक्ष की माला रहती है। तीसरे हाथ में अंकुश (हथियार) रहता है। चौथे में पाश होता है। दायां पैर मुड़ा हुआ और बायां नीचे की तरफ निकला हुआ होता है।

सिद्धि विनायक मंदिर पहुंचे ललित

दुर्ग। ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की और भगवान गणेश से सभी के कल्याण और मंगल की प्रार्थना की।

नारायण गुरु धर्म समाजम सेक्टर-4

श्री गणेश चतुर्थी के प्रथम दिवस पर नारायण गुरु धर्म समाजम सेक्टर 4 द्वारा आयोजित 1008 नारियल अस्टद्रव्य महागणपति हवन में ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के इंदरजीत सिंह शामिल हुए। समाजम के अध्यक्ष वीके बाबू महासचिव टीयू सुनील कुमार, उपाध्यक्ष सी बीजू सहित अन्य मौजूद थे।

सेक्टर-1 में घर में विराजित की गई प्रतिमा

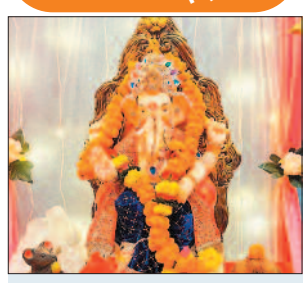

सेक्टर-1 स्थित डॉ. अंजलि सिंह निवास में गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। पहले दिन विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई।

कुष्ठ बस्ती सूर्यनगर

कुष्ठ बस्ती सूर्यनगर दुर्ग में में स्थानीय लोगों के सहयोग से प्रतिमा स्थापित की गई। जेआरडी स्कूल के पीछ पार्वती साहू, लक्की साहू ने प्रतिमा स्थापित की। उन्होंने स्वसंसाधनों से प्रतिमा तैयार की है।

रसायन विभाग की टीम ने कई दिनों की मशक्कत के बात तैयार किया नया उत्प्रेरक

प्लास्टिक कचरे को बेहतर तरीके से रिसाइकिल करने आईआईटी भिलाई में हुआ रिचर्स, दोबारा उपयोग में लाना नहीं होगा हानिकारक

कार्नर न्यूज

भिलाई। आईआईटी भिलाई के रसायन विभाग की शोध टीम प्रियंक सिन्हा, सुदीप्त पाल, स्वरूप माईति, और डॉ. संजीब बैनर्जी ने हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने की दिशा में एक क्रांतिकारी शोध कार्य किया है। पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी), जो बोतलों, वस्त्रों और पैकेजिंग में व्यापक रूप से प्रयुक्त होता है। तेज़ी से कचरा भराव क्षेत्र और महासागरों में जमा हो रहा है। इसके विघटन में सैकड़ों वर्ष लगते हैं। मौजूदा यांत्रिक पुनर्चक्रण (मैकेनिकल रिसाइकिलिंग) से पीईटी की गुणवत्ता घट जाती है, जबकि पारंपरिक रासायनिक पुनर्चक्रण (केमिकल रीसाइक्लिंग) ऊर्जा-गहन और प्रदूषणकारी है। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए आईआईटी भिलाई की टीम ने एक नवीन एवं पर्यावरण-अनुकूल रासायनिक पुनर्चक्रण तकनीक विकसित की है, जिसमें पीईटी को पुनः प्रयोग योग्य नैनो उत्प्रेरक कीसहायता से उसके मूल घटकों में परिवर्तित किया जाता है। इस तकनीक में चुंबकीय रूप से पुनः प्राप्त होने योग्य लौह आधारित नैनो उत्प्रेरक का उपयोग किया गया है। यह उत्प्रेरक पीईटी को उसके मूल मोनोमर बीएचईटी (बिस(2-हाइड्रॉक्सीएथिल) टेरेफ्थेलेट) में उच्च दक्षता और चयनात्मकता के साथ परिवर्तित करता है। इस प्रक्रिया की विशेषता यह है कि उत्प्रेरक को कई बार बिना दक्षता खोए पुनः प्रयोग किया जा सकता है और हानिकारक उप-उत्पाद न्यूनतम रहते हैं।

कचरा निष्पादन में साबित होगा मील का पत्थर

आईआईटी के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रयोग आगामी दिनों में कचरा निष्पादन में मील का पत्थर साबित होगा। इस प्रकार यह तकनीक पूर्ण चक्र (क्लोज्ड-लूप) प्लास्टिक पुनर्चक्रण का मार्ग प्रशस्त करती है और हमारी अर्थव्यवस्था को प्रबल बनाने में सहायता करती है। डीएसआईआर-सीआरटीडीएच, भारत सरकार और आईआईटी भिलाई के सहयोग से सम्पन्न यह शोध दर्शाता है कि नैनोप्रौद्योगिकी और हरित रसायन (ग्रीन केमिस्ट्री) के मेल से प्लास्टिक कचरे की समस्या का व्यवहारिक और टिकाऊ समाधान संभव है। यह अध्ययन विश्व प्रसिद्ध जर्नल एसीएस एनवायरनमेंटल साइंस एंड टेक्नोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। एक स्वच्छ, स्मार्ट और सतत भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जानिए क्या है एथिलीन टेरेफ्थेलेट और इसके फायद

एथिलीन टेरेफ्थेलेट का उपयोग मुख्य रूप से प्लास्टिक की बोतलों, कंटेनरों, रेशों और अन्य प्लास्टिक उत्पादों को बनाने में किया जाता है। यह टेरेफ्थेलिक एसिड और एथिलीन ग्लाइकॉल से बनता है। यह एक प्रकार का थर्मोप्लास्टिक बहुलक है। यह रासायनिक प्रक्रिया के माध्यम से टेरेफ्थेलिक एसिड और एथिलीन ग्लाइकॉल से बनता है। इसका सबसे आम उपयोग प्लास्टिक के रूप में होता है। पानी और अन्य पेय पदार्थों के लिए बोतलों का निर्माण इससे ही हता है। खाद्य पदार्थों को स्टोर करने के लिए इस्तेमाल होने वाले कंटेनरों में भी इसका उपयोग होता है। कपड़ों के लिए रेशे बनाने में (उदाहरण के लिए, पॉलिएस्टर), फिल्म्स और अन्य प्लास्टिक आधारित वस्तुओं के निर्माण में भी इसका उपयोग किया जाता है। एथिलीन टेरेफ्थेलेट एक बहुत ही उपयोगी रासायनिक यौगिक है, जिससे हम अपनी दैनिक जिंदगी में उपयोग की जाने वाली कई चीजें बनाते हैं।

सिटी इवेंट

तीजा में उपवास रख आलू के लिए दौड़े, मटका फोड़ में जीता पुरस्कार

भिलाई। मां कल्याणी शीतला मंदिर समिति मरोदा टैंक में तीन दिवसीय तीजा तिहार के दूसरे दिन सिर्फ महिलाओं के लिए विविध खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें तीजहारिन महिलाओं के लिए विभिन्न खेलकूद के तहत गोटा, तिरीपासा, फूगड़ी, रंगोली, मेंहदी, मटका दौड़ सुईधागा दौड़, आलू दौड़, जनऊला, सुरीली कुर्सी, गोली चम्मच, धीमी चाल, मटका फोड़ जैसी विभिन्न खेल स्पर्धा हुईं। महिलाओं ने उपवास होने के बाद भी उत्साह पूर्वक विभिन्न खेल कूद में भाग लेकर पुरस्कार जीते। संध्या में माँ कल्याणी के दरबार में फूलेरा तीजा का पूजा-पाठ हुआ। रात्रि में खेलकूद की विजेता तीजहारिन महिलाओं को पुष्कृत किया गया। रात्रि में चम्पा बसन छत्तीसगढ़ी लोककला नाचा पार्टी ग्राम - भकुर्रा (पथरा टोला) का सांस्कृतिक आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र शेली व प्रमोद साहु ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से लोकगायिका रजनी रजक, फिल्म कलाकार उपासना रजक, नगर पंचायत उतई की पार्षद संगीता रजक, मुक्तार यादव, पुन्नू यादव, अरुण वर्मा आदि उपस्थित थे।

- कल्याणी शीतला मंदिर मरोदा टैंक में महिलाओं के लिए प्रतियोगिताओं का आयोजन

सुहाग की सामग्री बांटी, मटका दौड़ में ईशा प्रथम

माताजी की पूजा-आरती के बाद महिलाओ को फरहार व सुहाग श्रृंगार सामाग्री का वितरण किया गया। खेल कूद के परिणामो में मटका दौड़ में प्रथम ईसा सेन, दूसरा नूतन सिन्हा व तीसरा मोगरा डहरे रही। मटकी फोड़ पहला हिना देवागन,सुनीता विश्वकर्मा,तीसरा काजल रामटेके,गोटा स्पर्धा में प्रथम सुलोचना निषाद, दूसरा चित्रलेखा लहरे, तीसरा कृतिका बिंदी स्पर्धा प्रथम विमला यदु, दूसरा पूर्णिमा साहु, तीसरा मालती साहू गोली चम्मच में प्रथम सुनीता वर्मा, दूसरा उपासना वैष्णव. तीरी पासा प्रथम उतरा पटेल, द्वितीय भुनेश्वरी डहरिया तीसरा पार्वती पटेल बिल्स प्रथम किरण साहू, दूसरा सुनीता वर्मा ब तीसरा देवकी याद सुई धागा दौड़ में प्रथम नूतन सिन्हा दूसरा गंगा निषाद व तृतीय सुनीता वर्मा तीसरा आलू दौड़ में प्रथम चित्ररेखा निर्मलकर, दूसरा सुनीता वर्मा तीसरा मीना देवांगन मेहंदी में प्रथम पल्लवी निषाद रही।

समाज इवेंट

आदिवासी समाज ने अमर शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

भिलाई। आदिवासी अमर शहीदों का पुष्पांजलि एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पद्मश्री गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद नई दिल्ली की शाखा संयोजक नीलकंठ गढ़े के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ। स्थानीय एवं अन्य जिलों के भी सम्मानित सदस्य और स्वजातीय जाति के विशाल जन समूह की गरिमामय उपस्थिति में आदिवासी अमर शहीद वीर नारायण भगवान विस मुंडा रामाधीन के तैल चित्र में पुष्पांजलि अर्पित किया। इस पुष्पांजलि एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद और मेयर मधुसूदन यादव थे। कार्यक्रम में नीलकंठ गढ़े प्रांतीय महासचिव, केंद्रीय गोंडवाना समाज धमधागढ़ के अध्यक्ष एमडी ठाकुर, आत्मा राम चंद्रवंशी विशेष रूप से मौजूद थे। विशेष आकर्षण नगरी सिहावा के लोकनृत्य की टोली की थी। साथ ही सुर श्रृंगार स्वर साधना की प्रमुख ममता शिंदे की टीम ने प्रस्तुति दी। सम्मानित होने वालों में साजा के गुरु घनश्याम ठाकुर, ओम सत्यम शिक्षण समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, सचिव दिलीप ठाकुर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार सहित अन्य शामिल थे।

मदर टेरेसा की जयंती पर गोष्ठी, अतिथि हुए सम्मानित

भिलाई। आंचलिक कार्यकर्ताओं द्वारा संत मदर टेरेसा जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बीएसपी के एक्स ईडी सुनील कुमार जैन, नरेश खोसला सहित अन्य प्रमुख रूप से मौजूद थे। केक काटकर मदर टेरेसा को याद किया गया। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। गायक केएफ एन्थोनी एवं उनकी टीम ने भजनों और गीतों से वातावरण को भक्ति मुग्ध कर दिया। इसी क्रम में जनाब शेर-ए-बशीर ने लोकप्रिय गीत सजन रे झूठ मत बोलो प्रस्तुत कर समाज को सच्चाई का संदेश दिया। गुरु आरपी बिन्दु ने कविता सुनाई। कार्यक्रम का संचालन गोविंद पॉल एवं धन्यवाद ज्ञापन जाविद हसन ने किया। आश्रम के 70 से अधिक रहवासी निशक्तजनों को अलग से वस्त्र एवं मिठाई पैकेट बांटे गए। इस अवसर पर बिमान भट्टाचार्य, बीना भट्टाचार्य, शुभायु दास, सुचित्रा दास, एसएन बिस्वास, एमआर निराला सहित अन्य मौजूद थे।

● 7 मिलेनियम चौक सेक्टर-6 में श्री ओम गणेशोत्सव समिति ने बनाया 30 हजार वर्गफुट में बड़ा पंडाल

ग्वाले चराते नजर आएंगे भोले बाबा, समुद्र मंथन, भगवान गणेश का गला काटना, 12 ज्योर्तिलिंग और बर्फानीधाम आकर्षण का केंद्र

भिलाई। श्री ओम गणेशोत्सव समिति 7 मिलेनियम चौक सेक्टर-6 का गणेश पंडाल इस बार पहले दिन से ही चर्चा में है। गणेशोत्सव को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। गणेश पंडाल में करीब 30 हजार वर्गफुट जगह पर आकर्षक झांकियां तैयार की गई है। इसमें भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा विराजित की गई है, जो काफी आकर्षक है। प्रतिमा वाले स्थल को आकर्षक कलरफुल लाइटिंग और झालर से सजाया गया है। भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित किए गए हैं। बाबा बर्फानी यानी अमरनाथ यात्रा और बर्फ के शिवलिंग स्थापित किए जा रहे हैं। इसके अलावा भगवान भोलेनाथ की अलग-अलग झांकियां तैयार की गई हैं। म्यूजिक के बीच पहले दिन भक्तों ने इसे खूब पसंद किया। झांकियों में समुद्र मंथन, भस्मासुर वध, भगवान गणेश का गला काटना, नया सिर लगाना और ग्वाले रूप में गाय चराने को प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा बाबा की बारात का दृश्य झांकी के रूप में तैयार किया गया है। समिति के संयोजक संजीव राय ने बताया कि पिछले कई सालों से गणेश प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस बार झांकी को लेकर लोगों में पहले दिन से ही खासा उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर समिति के अध्यक्ष अमन शर्मा, रमेश शर्मा, तपस बरमन, धर्मेंद्र साहू, विकास पांडेय, राजू रजक, संजय सिन्हा, एसएल वर्मा तैयारी में जुटे हुए हैं।

भगवान गणेश के गजमुख की कथा को दर्शाया

गणेश पंडाल में भगवान गणेश के गजमुख को लेकर दर्शाया गया है। कथा के मुताबिक माता पार्वती ने अपने स्नान के लिए जाते समय पुत्र गणेश को द्वार पर पहरा देने के लिए कहा था। जब भगवान शिव घर में प्रवेश करना चाहते थे, तो गणेश ने उन्हें रोका, क्योंकि वे पार्वती के आदेश का पालन कर रहे थे। इससे क्रोधित होकर शिवजी ने गणेश का सिर धड़ से अलग कर दिया। बाद में पार्वती के विलाप करने पर शिवजी ने एक हाथी का सिर गणेश के धड़ से लगा दिया, जिससे गणेश गजमुख कहलाए। इस कथा को गणेश पंडाल में प्रदर्शित किया गया है।

बाबा भोले की बारात में भूत-पिशाच नाचते-गाते नजर आ रहे

झांकियों में एक झांकी बाबा भोलेनाथ की बारात का भी है, जिसमें भूत-पिशाच, नर-नारी, किन्नर, गंधर्व शामिल के साथ अन्य नाचते-गाते नजर आ रहे हैं। भूत-पिशाच की आवाज के बीच धूम धड़ाके साथ बारात की झांकी को दर्शाया गया है। इसके बाद भगवान शिव को ग्वाले के रूप में दर्शाया गया है। वे गाय चराते नजर आ रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि एक समय में 5 हजार से ज्यादा लोग झांकियों में भगवान से जुड़ी झांकियों का दर्शन कर सकते हैं। भगवान गणेश की प्रतिमा दर्शन को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। शहर में पहली बार इस प्रकार की आकर्षक झांकियां तैयार की गई है।

तीन सालों से स्थापित की जा रही प्रतिमा

आयोजन समिति द्वारा पिछले तीन साल से लगातार गणेश प्रतिमा स्थापित किया जा रहा है। इस बार 11 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा में भगवान गणेश बाल रूप में नजर आ रहे हैं। शिल्पग्राम थनौद से प्रतिमा तैयार की गई है। प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है। इसके बाद से गणेश पंडाल में प्रतिदिन विधि-विधान से पूजा अर्चना की जा रही है। इसके अलावा भजन संध्या सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संजीव राय ने बताया कि बाहर से आए कलाकारों ने झांकियां तैयार की है।

पर्यूषण महापर्व

पर्यूषण पर्व पर सामूहिक क्षमा याचना आज से दसलक्षण पर्व की शुरुआत

भिलाई। त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6 में आत्म अवलोकन एवं धर्म आराधना को लेकर जैन मिलन ट्रस्ट, जैन महिला क्लब के तत्वावधान में विविध धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। विश्व मैत्री दिवस 14 सितंबर दिन रविवार को मनाया जाना है। प्रसार प्रभारी प्रदीप जैन बाकलीवाल ने बताया कि श्वेतांबर जैन के पर्यूषण महापर्व क्षमा याचना के साथ संपन्न हुई। 28 अगस्त से 6 सितंबर तक दिगंबर जैन समाज दसलक्षण का धार्मिक पर्व मनाएंगे।

आयोजित कार्यक्रम में जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष अरविंद जैन, उपाध्यक्ष मूलचंद जैन, मंत्री निर्मल कोचर, उप मंत्री प्रदीप जैन, कोषाध्यक्ष महावीर निबोटिया, प्रबंधक ट्रस्टी मुकेश जैन, जैन महिला क्लब अध्यक्ष चेलना जैन, सचिव ममता जैन, ममता जैन, अध्यक्ष मुकेश जैन, कमल जैन सहित अन्य मौजूद थे।

हर दिन होगी धर्मसभा, जुटेगा जैन समाज

जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि 6 सितंबर तक हर दिन धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। जैन भवन में वात्सल्य भोज का आयोजन किया जाएगा। इसके अलग-अलग आयोजन किए जाएंगे। आयोजन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। 10 लक्षण महापर्व और पर्यूषण महापर्व में दुर्ग के अलावा आसपास के जिलों के लोग भी शामिल होंगे।28 अगस्त को चित्रकला, 29 को धार्मिक तंबोला, 30 को त्रिवेणी महिला मंडल एवं पाठशाला के बच्चों द्वारा प्रस्तुति होगी। 31 तारीख को दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक रंगोली एवं मेहंदी की भव्य प्रस्तुति होगी।

मार्च फॉर साइंस कार्यक्रम

मानव श्रृंखला बनाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, जंगल नहीं काटने की गई अपील

दुर्ग। मार्च फॉर साइंस ऑर्गेनाइजिंग कमेटी द्वारा मार्च फॉर साइंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव श्रृंखला बनाकर छात्र व विज्ञान प्रेमियों द्वारा विभिन्न मांगो को रखा गया। इसमें प्रमुख रूप से पर्यावरण संरक्षण के लिए जंगल नहीं काटने की अपील की गई। प्रमुख मांगों में हसदेव एवं रायगढ़ जंगल की कटाई व खनन पर रोक लगाने, छत्तीसगढ़ में पहले से लागू (2005) अंधविश्वास निवारण कानून का सख़्ती से पालन कराने, अवैज्ञानिक और अंधविश्वासी विचारों के प्रचार पर रोक लगाने, संविधान के अनुच्छेद 51ए(एच) के अनुसार वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने, जलवायु संकट और पर्यावरणीय क्षरण से निपटने के लिए वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित नीतियां लागू करने, शिक्षा पाठ्यक्रमों में अवैज्ञानिक और अव्यावहारिक सामग्री शामिल न करने, केंद्र सरकार के बजट का कम से कम 10% और राज्य सरकारों के बजट का 30% शिक्षा पर खर्च कम करने, सार्वजनिक शिक्षा में सभी स्तरों पर छात्र शुल्क को कम करने, भारत की ज्ञान अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए जीडीपी का कम से कम 3% विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में निवेश सहित अन्य मांगें शामिल हैं। जिला प्रभारी शुभम पांडेय ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग में वृद्धि , मौसम और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को हम गहराई से महसूस कर रहे हैं। प्राकृतिक आपदाओं का सामना भी कर रहे हैं। पेड़ों की कटाई और भूमि के विशाल भूभाग की खनन के चलते भूस्खलन, सूखे स्थिति, ध्रुवों में जमे बर्फ का गर्मी से पिघलना, समुद्र के बढ़ते जल स्तर और पारिस्थितिकी तंत्र अस्थिरता के वजह से वन्यजीव जंतु विलुप्त होने के कगार पर है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कॉलेज के स्टूडेंट्स मौजूद थे।

मार्च फॉर साइंस ऑर्गेनाइजिंग कमेटी ने किया आयोजन

सामूहिक जन्मोत्सव के आयोजन से बुजुर्गो में खुशी, सकारात्मक विचारों के लिए आयोजन

कार्नर न्यूज

अगस्त माह में जन्म तिथि वाले 9 बुजुर्गों का सामूहिक जन्मोत्सव मनाया, पुराने दिनों के सुनाए अनुभव

भिलाई। भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ ने सियान सदन वैशाली नगर में अगस्त माह में जन्म तिथि वाले 9 वरिष्ठ नागरिकों का सामूहिक जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया और पुराने समकालीन गीत एवं भजनों को गाकर समा बांधा। अपने पसंदीदा पुराने हिंदी गानों को सुनकर सभी वरिष्ठ नागरिक आनंद से झूम उठे। बुजुर्गों को दिनेश मिश्रा ने हाऊजी गेम खिलाकर उनमें रोमांच भर दिया। अपने उद्बोधन में महासंघ अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा कि वरिष्ठजनों का जीवन बहुत उतार चढ़ाव एवं तनाव से भरा होता है। सामूहिक जन्मोत्सव के आयोजन से बुजुर्गों में खुशी, संतोष और जीवन के प्रति सकारात्मकता का भाव पैदा होता है। उनके दुःख एवं चिंता दूर होती है।

प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया सम्मानित

अगस्त माह में जिनका सामूहिक जन्मोत्सव मनाया गया उनमें घनश्याम कुमार देवांगन, गजानंद साहू, भरतलाल मोगरे, किशनलाल सोनी, संतराम देवांगन, सुधीर राय त्रिपाठी, संतोष कुमार साहू, शंकर सेंदे एवं बी. सीताराम का महासंघ के सबसे उमदराज बुजुर्गों द्वारा सम्मान कर आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी गई।

गीत, भजन सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

इस अवसर पर बुजुर्ग डी. ए. करमाकर, रामायण मिश्रा, भरतलाल मोगरे, बी.सीताराम, सुरेश जोशी आदि के द्वारा प्रस्तुत पुराने जमाने के लोकप्रिय गीत एवं भजन सुनकर वरिष्ठ जन खुशी से झूम उठे। समारोह में बुजुर्ग आर. पी. वार्ष्णेय, आर. एस. प्रसाद, दिनेश गुप्ता, हुकुमचंद देवांगन, जगदीश राम साहू , माखनलाल टंडन, शिवप्रसाद साहू, दिनेश मिश्रा, गंगाचरण पुरोहित, रामायण मिश्रा, राजपाल सिंह राघव, सुरेशचंद्र जैन, विश्वनाथ वर्मा, परशुराम साहू, चंद्रभान सिंह, रिटायर्ड फौजी मंगल सिंह, सुरेश जोशी, तामध्वज साहू, राम बोरकर, आर.बी. गुप्ता, गंगा शंकर, अर्जुन सिंह साहू, परसुराम साहू , शंकर शेंडे आदि सहित वरिष्ठ नागरिक गण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। समारोह का संचालन आर. एस. प्रसाद एवं आभार प्रदर्शन दिनेश गुप्ता ने किया।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-23 क्रिकेट में छत्तीसगढ़ के दीपक ने बनाए 85 रन

रायपुर। क्रिकेट एसोसिएशन पुडुच्चेरी की ओर से मेंस अंडर-23 इंटर स्टेट वन डे अभ्यास मैच 2024-25 आयोजित किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित बंगाल, झारखंड, पुडुच्चेरी और हिमाचल प्रदेश आदि टीमें हिस्सा ले रहीं है। बुधवार को छत्तीसगढ़ का दूसरा मैच हिमाचल प्रदेश के विरुद्ध पुडुच्चेरी में खेला गया। हिमाचल प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ अंडर 23 ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 47.4 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर 221 रन बनाए। छत्तीसगढ़ की ओर से दीपक यादव ने 85 रनों का योगदान दिया। उनके अलावा अनुराग साहू ने 34 रन तथा साहिल रजत शरीफ ने 25 रनों का योगदान दिया। हिमाचल प्रदेश की ओर से दक्ष नारायण ने 3 विकेट, चिराग, प्रशांत तथा आदित्य ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। 222 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी हिमाचल प्रदेश अंडर 23 टीम ने 38.5 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। हिमाचल प्रदेश की ओर से कप्तान अमनप्रीत सिंह ने 93 रन तथा विभव ने 67 रन बनाये। छत्तीसगढ़ अंडर 23 की ओर से सत्यम दुबे ने 4 विकेट तथा गर्व सिंह ने 2 विकेट प्राप्त किये। हिमाचल प्रदेश ने मैच 3 विकेट से जीत लिया।

24वीं राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता आज से रायपुर में

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निशानेबाजी संघ की ओर से 24वीं राज्य स्तरीय निशानेबाजी प्रतियोगिता राजधानी रायपुर में 28 अगस्त 6 सितंबर तक आयोजित है। माना स्थित चौथी बटालियन की शूटिंग रेंज में होने वाली इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के सभी जिलों से महिला एवं पुरुष निशानेबाज, जूनियर और सीनियर वर्ग में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के हर मैच व हर वर्ग में भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ द्वारा निर्धारित न्यूनतम अंक अर्जित करने पर निशानेबाजों को ईस्ट जोन, ऑल इंडिया जीवी मावलंकर जो कि प्री-नेशनल है, जैसी प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता में 10 मीटर राइफल एवं पिस्टल शूटिंग,25 मीटर पिस्टल शूटिंग,50 मीटर राइफल एवं पिस्टल शूटिंग के मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपना पंजीकरण राष्ट्रीय रायफल संघ की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 28 अगस्त तक कर सकते हैं।

अंतर जिला क्रिकेट के लिए बीसीए टीम का चयन 31 को

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जाने वाली अंडर-19 अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन की टीम भी भाग लेगी। भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन की अंडर-19 टीम के गठन हेतु एक चयन स्पर्धा का आयोजन आगामी रविवार 31 अगस्त को कल्याण कॉलेज स्थित इनडोर पिच में सुबह 9:00 बजे से किया जाएगा। इस चयन स्पर्धा में जो खिलाड़ी भाग लेने के इच्छुक हैं वे 29 अगस्त शुक्रवार तकअपना रजिस्ट्रेशन करा ले। यह जानकारी भिलाई क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव भास्कर गोस्वामी ने दी है।

वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल की संभावित सूची में डिकेश और त्रिकोर का नाम

भिलाई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कैंप-1 के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों डिकेश (कक्षा 10वीं) एवं त्रिकोर (कक्षा 10वीं) का चयन वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल स्पर्धा की संभावित सूची में हुआ है। यह चयन प्रक्रिया 29 एवं 30 अगस्त को पुणे (बालेबाड़ी) में आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर एसएमडीसी अध्यक्ष अशोक यादव, सांसद प्रतिनिधि धर्मेंद्र, रमेश कुमार चौधरी एवं प्राचार्य जया तिवारी सहित विद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों की हौसला-अफ़ज़ाई करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

बारिश के इस मौसम में गले में संक्रमण होना आम बात, बरतें सावधानी

सर्दी-जुकाम के साथ हो रही गले में खराश और दूसरी तकलीफ, आराम पाने के लिए बरतिए सावधानियां

गले में खराश को मेडिकल की भाषा में फैरिंजाइटिस (ग्रसनीशोथ) भी कहा जाता है, आमतौर पर वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण के कारण होता है। इससे आपको गले के पिछले हिस्से में चुभन या जलन का एहसास हो सकता है। मौसम बदलने के साथ वातावरण में कई प्रकार के वायरस-बैक्टीरिया और अन्य संक्रामक तत्व सक्रिय हो जाते हैं। इन्फ्लूएंजा वायरस उनमें सबसे प्रमुख है जिसके कारण आपको सर्दी-जुकाम और बुखार जैसी दिक्कतें होती हैं। ये वायरस अमूमन हल्के स्तर का होता है, इससे होने वाली बीमारी कुछ समय में ही ठीक भी हो जाती है। सर्दी-जुकाम हमारे लिए कोई नई बात नहीं है। साल में कई बार ऐसा होता है कि हमें नाक बहने, छींक आने और गले में खराश जैसी दिक्कतें होने लगती हैं।

गले की खराश सबसे ज्यादा परेशान करती है। इसके कारण कई बार निगलने, बोलने में भी दिक्कत होने लगती है। क्या आपके मन में भी ये सवाल आता है कि सर्दी-जुकाम के दिनों में गले में खराश क्यों हो जाती है? इसके पीछे कौन से कारण जिम्मेदार हैं? आइए इस बारे में आसान भाषा में समझने की कोशिश करते हैं।

गले में खराश की दिक्कत होती क्यों है?

गले में खराश को मेडिकल की भाषा में फैरिंजाइटिस (ग्रसनीशोथ) भी कहा जाता है, आमतौर पर वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण के कारण ऐसा होता है। इस वजह से आपको गले के पिछले हिस्से में चुभन या जलन का एहसास हो सकता है। गले में खराश के ज्यादातर लक्षण तीन से दस दिनों में ठीक हो जाते हैं। स्ट्रेप थ्रोट जैसे बैक्टीरियल संक्रमण भी गले में खराश का कारण बन सकते हैं। इसके अलावा हवा में शुष्कता, वायु प्रदूषण और यहां तक कि आवाज के ज्यादा इस्तेमाल के कारण भी कई लोगों को गले में जलन हो सकती है, इसे गला बैठना भी कहा जाता है। अब सवाल ये है कि ये दिक्कत होती कैसे है?

निगलने-बोलने में भी हो सकती है कठिनाई

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दी-जुकाम आमतौर पर फ्लू वायरस की वजह से होता है। ये छोटे-छोटे कीटाणु नाक और गले में प्रवेश कर जाते हैं। गले के अंदर एक नरम परत होती है ये वायरस वहां पर चिपकने लगते हैं।

इस स्थिति में हमारे शरीर के अंदर का सुरक्षा तंत्र यानी इम्यून सिस्टम इनसे मुकाबला करना शुरू कर देता है। इम्यून सिस्टम के इस प्रकार के प्रतिक्रिया के कारण गले में सूजन हो जाती है, जिसके कारण आपको गले में दर्द, सूजन और निगलने में कठिनाई हो सकती है।

इससे कैसे पाएं आराम?

गले में खराश होने की एक और बड़ी वजह है, इस दौरान कम पानी पीना। पानी कम पीने से गला सूख जाता है, जिसके कारण और भी दिक्कत होने लगती है। डॉक्टर कहते हैं, आमतौर पर ये ज्यादा समस्या वाली बात नहीं होती है।

गले में खराश किस वजह से है, उसका उपचार करके इससे आसानी से आराम पाया जा सकता है। वायरल संक्रमण आमतौर पर एक सप्ताह के भीतर अपने आप ठीक हो जाते हैं। हालांकि दिक्कतों को कम करने के लिए ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाओं से राहत मिल सकती है। बैक्टीरियल संक्रमण की स्थिति में आपको एंटीबायोटिक दवाओं की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि ये दवाएं सिर्फ डॉक्टर की सलाह पर ही लेनी चाहिए।

एसिडिटी को दूर भगाने योगासनों का करें अभ्यास

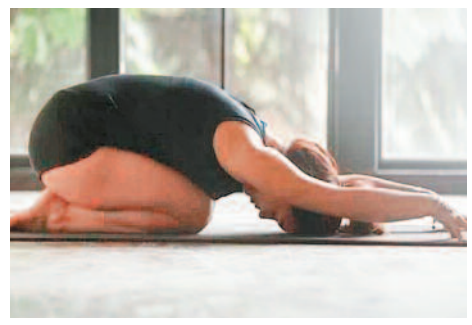

गैस व एसिडिटी की समस्या आम है, हालांकि कई बार यह स्थिति गंभीर हो जाती है। खराब जीवनशैली और असंतुलित खानपान के कारण पेट संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। एसिडिटी या गैस की समस्या से राहत पाने के लिए कई बार लोग दवाओं का सहारा लेते हैं। हालांकि दवाओं से लंबे समय तक पेट संबंधित बीमारियों का इलाज नहीं करना चाहिए।

तीखा, मसालेदार खाना और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों के अत्यधिक सेवन से गैस व एसिडिटी की शिकायत बढ़ सकती है। धूम्रपान, चाय और कॉफी इस समस्या को बढ़ा देते हैं। कुछ सरल योगासनों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर इस समस्या से निजात पा सकते हैं। पेट से जुड़ी बीमारियों जैसे अपच, गैस या एसिडिटी का उपचार ध्यान और योग के जरिए किया जा सकता है। योग से पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और एसिडिटी व गैस को कम किया जा सकता है।

वज्रासन

भोजन को पचाने के लिए और गैस व एसिडिटी की संभावना को कम करने के लिए वज्रासन असरदार है। वज्रासन योग पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। कब्ज, एसिडिटी, बवासीर, आंतों की गैस आदि के ठीक रखने के लिए वज्रासन योग कर सकते हैं।

वज्रासन करने के लिए घुटनों के बल बैठकर दोनों पैरों की उंगलियां एक साथ रखें और एड़िया अलग रखें। सिर और पीठ को सीधा रखते हुए घुटनों को आपस में जोड़ लें। आंख बंद करके सामान्य रूप से सांस लें और कम से कम 10 मिनट तक बैठें।

बालासन

एसिडिटी की समस्या को दूर करने के लिए बालासन कर सकते हैं। इस आसन से पेट के अंदरूनी अंगों की अच्छी तरह से मालिश होती है। इस योग को करने के लिए रीढ़ को सीधा रखते हुए वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं। सांस लेते हुए दोनों हाथों को ऊपर उठाएं। सांस छोड़ते हुए दोनों हाथों को सीधा रखते हुए माथा जमीन पर टिकाएं। इसके बाद कमर के ऊपरी हिस्से को आगे की ओर झुकाएं और 30 सेकेंड तक इसी मुद्रा में बने रहें। फिर वज्रासन मुद्रा में वापस आ जाएं।

हलासन

एसिडिटी और गैस की समस्या को दूर करने के लिए हलासन का अभ्यास कर सकते हैं। कब्ज, अपच और अन्य पाचन समस्याओं के लिए हलासन असरदार है। इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर हथेलियां जमीन की तरफ रखें। सांस भरते हुए अपने पैरों को ऊपर उठाएं और 90 डिग्री का कोण बनाएं। धीरे धीरे सांस छोड़ते हुए पैरों के पंजों को जमीन से छूने की कोशिश करें। हाथों को कमर से हटाकर जमीन पर सीधा रखें। इस मुद्रा में रहते हुए सामान्य रूप से सांस लें और सामान्य स्थिति में वापस आ जाएं।

दाल बाटी बनाते समय रखें इन बातों का ध्यान, मिलेगी तारीफ

अक्सर जब हम बाटी बनाते हैं तो या तो ये कच्ची रह जाती है या फिर इतनी सख्त हो जाती है, जिसे खाना बेहद मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी इसी परेशानी का सामना करती हैं, तो इसका आपको इसका हल जरूर जानना चाहिए।

आटे का रखें ध्यान

बाटी बनाते समय इस बात का खास ध्यान रखें कि इसका आटा नर्म ना हो। बाटी का आटा जितना टाइट होगा, आपकी बाटी उतनी ही अच्छी बनेगी। ऐसा करने से बाटी काफी कुरकुरी बनती है।

आटा गूंथते समय ना करें घी की कमी

अक्सर लोगों को ऐसा कहते सुना जाता है कि वो ज्यादा घी नहीं इस्तेमाल करते। पर, अगर आप बाटी के लिए आटा गूंथ रहीं हैं तो उसमें घी की मात्रा का अच्छे से ध्यान रखें। घी की वजह से ही ये अंदर से सॉफ्ट बनेगी।

कुछ देर आटे को ऐसे ही रखें

बाटी बनाने के लिए जब आप आटा गूंथ लें तो इसको कम से कम तीस मिनट ऐसे ही रख दें। तब तक आप दाल की तैयारी कर सकती हैं।

घी में जरूर करें डिप

बाटी का स्वाद घी की वजह से ही काफी बढ़ जाता है। जब ये बन जाए तो इसे घी में जरूर डिप करें। अगर आप गर्मागर्म बाटी को घी में डुबो देंगे तो इससे उसका स्वाद कई गुना बढ़ जाएगा।

दाल बाटी चूरमा एक राजस्थानी व्यंजन है। बाटी गेहू के मोटे आटे से बनाई जाती है। चूरमा मीठे आटे का मिश्रण होता है। यह एक धार्मिक अवसरों, गोठ, विवाह समारोहों और राजस्थान में जन्मदिन पार्टियों में भी बनाई जाती है। दाल बाटी चूरमा आमतौर पर दोपहर के भोजन के समय पसंद किया जाता है। अधिक घी का इस्तेमाल इसे और भी बेहतर स्वाद बना देता है। बीकानेर, जोधपुर, दियातरा, जयपुर, जैसलमेर और बूंदी जैसे शहर इस राजस्थानी पकवान के लिए प्रसिद्ध हैं। दाल, बाटी, चूरमा को राजस्थान की विशेषता के रूप में जाना जाता है।

हथेली पर मौजूद हर तिल होता है खास, जानें क्या कहता है सामुद्रिक शास्त्र

किसी भी व्यक्ति के शरीर पर कई जगह तिल होते हैं। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार शरीर के अंगों पर मौजूद तिल का कोई न कोई मतलब जरूर होता है। वहीं कुछ लोगों हथेली में भी तिल मौजूद होते हैं। सामुद्रिक शास्त्र में मनुष्य की हथेली पर मौजूद तिलों के बारे में विस्तार से बताया गया है। कहते हैं कि हथेली पर कुछ तिल शुभ होते हैं और कुछ अशुभ होते हैं। हथेली में कुछ खास जगह पर तिल होने से बहुत से लोग धनवान बनते हैं। मान्यता है कि दाहिनी हथेली के ऊपरी हिस्से पर तिल को बहुत शुभ माना जाता है। कहते हैं कि ऐसा तिल व्यक्ति को धनवान बनाता है। वहीं बाएं हाथ के ऊपरी हिस्से की हथेली पर तिल होने से व्यक्ति जो भी पैसा कमाता वह तुरंत खर्च हो जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं हथेली पर मौजूद शुभ अशुभ तिलों के बारे में...

अंगूठे पर तिल

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिनके अंगूठे पर तिल होता है वो लोग बहुत मेहनती होते हैं। इनका व्यवहार सबके साथ अच्छा रहता है। समाज में ऐसे लोगों को बहुत सम्मान मिलता है।

शुक्र पर्वत पर तिल

ज्योतिष के अनुसार, शुक्र पर्वत पर तिल होना शुभ नहीं माना जाता है। मान्यता है कि जिन लोगों की हथेली में शुक्र क्षेत्र पर तिल का निशान होता है, उ न हें वै वा हि क जीवन में

समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पार्टनर के साथ छोटी-छोटी बातों पर विवाद होता रहता है।

मध्यमा उंगली पर तिल

यदि आपकी मध्यमा उंगली पर तिल है तो इसका मतलब आप बहुत भाग्यशाली हैं। ज्योतिष की दृष्टि में भी ये बहुत अच्छा माना गया है। ऐसी जगह पर तिल से व्यक्ति को जीवन में कभी भी खुशियां और धन की कमी नहीं होती है।

अनामिका पर तिल

यदि आपकी अनामिका उंगली पर तिल है तो इसका मतलब आपकी सरकारी नौकरी लग सकती है। जरा सी मेहनत से आपको सरकारी नौकरी मिल सकती है। साथ ही ऐसे लोगों को जीवन में कभी भी आर्थिक समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

चंद्र पर्वत पर तिल

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के हथेली में चंद्र पर्वत पर तिल है तो ऐसे लोगों को जीवन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जिससे लोग अस्थिर और बेचैन रह सकते हैं। ऐसे लोग प्यार में भी असफल होते हैं।

कार्नर न्यूज

दवाओं पर निर्भरता कम करना समझदारी का काम

सच्ची खुशी के लिए तन, मन और दिमाग में संतुलित जरूरी, दिमागी सेहत का रखें ध्यान

शांति, मन की प्रसन्नता से होती है, लेकिन कई विदेशी विद्वानों ने इसे दवाओं यानी ड्रग्स के जरिये पाने की कोशिश की। सवाल यह है कि क्या किसी दवा के जरिये शांति और खुशी को पाया जा सकता है? जीवन में हम सभी खुशियां चाहते हैं। हमारा हर कर्म प्राय: इसी उद्देश्य से किया जाता है कि अंतत: हमें प्रसन्नता मिले। शायद हम और आप सच्ची खुशी का अर्थ यही समझते हैं। किसी बात से मन का खुश हो जाना एक सामान्य-सी बात है। लेकिन कम लोग ही जानते हैं कि आंतरिक खुशी हमारे लिए ज्यादा महत्व रखती है और यह आंतरिक खुशी तभी आती है, जब हमारा मन खुश हो। मस्तिष्क शांत हो।

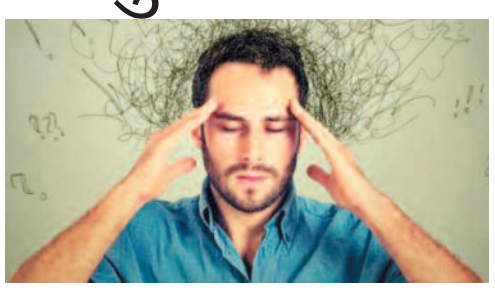

आज की इस तनाव और भागमभाग वाली जिंदगी में इसे अनुभव करना एक दुष्कर कार्य है, जिसकी खोज में लोग अलग-अलग दिशाओं में दौड़ लगा रहे हैं। खुशी तो हमें किसी भी स्रोत से मिल सकती है, लेकिन सच्ची खुशी हमारे अंदर ही होती है। अफसोस कि आज कुछ लोग इसे अपने अंदर ढूंढने की जगह बाहरी स्रोतों में तलाश रहे हैं, दवाओं पर निर्भर होते जा रहे हैं।

बीसवीं सदी के सुप्रसिद्ध लेखक एल्डस लियोनार्ड हक्सले तक इसी भ्रम में रहे कि "एलएसडी (लिसर्जिक एसिड डाईएथिलेमाइड) दवा द्वारा आप उस आध्यात्मिक अनुभूति को पा सकते हैं, जिसे गौतम बुद्ध, महात्मा कबीर और गुरु नानक देव ने प्राप्त किया था।" उन्होंने अपनी पुस्तक 'हेवन एंड हेल' में यहां तक लिख दिया है कि "भविष्य में विज्ञान द्वारा कृत्रिम रूप से निर्मित दवाओं का असर बिल्कुल वैसा ही होगा, जैसा कि वेदों में सोमरस का प्रभाव था। हममें से सभी सोमरस शब्द से परिचित हैं। हक्सले के अनुसार, प्राचीन काल में जिस तरह सोमरस द्वारा स्वस्थ, युवा शरीर और प्रसन्नता को पाया जाता था, उसी तरह भविष्य में एलएसडी दवाओं द्वारा प्रसन्नता को पाया जा सकेगा।"

अब यह केवल उनकी अतिश्योक्ति थी या भविष्यवाणी, यह तो अध्ययन और अनुभव की बात है, क्योंकि आज हजारों युवा नशीली दवाओं के सेवन के कारण जेल में बंद हैं। सच्ची खुशी, आंतरिक शांति और संतुष्टि, ये सब अद्भुत चीजें हैं, जिनको किसी भी तरह की कृत्रिमता से नहीं पाया जा सकता। आध्यात्मिक विचारक आचार्य रजनीश कहते हैं, "मैं इस बात को इस साधारण दुनिया से परे एक ऐसी खोज के तौर पर देखता हूं, जो कि गलत तरीके से की जा रही है, क्योंकि यह लोगों को वास्तविकता से दूर कर देती है।

दवा का असर खत्म होने पर

कुछ घंटों बाद जब दवाओं का असर खत्म होने लगता है तो उन्हें पुनः उसे इंजेक्ट करने की आवश्यकता पड़ती है। इस तरह धीरे-धीरे लोग दवाओं यानी ड्रग्स के शिकंजे में आसानी से फंसते चले जाते हैं। साथ ही जितनी बार वे इसे इंजेक्ट करते हैं, उनकी दवाओं पर निर्भरता बढ़ती चली जाती है।

अतः अनुभव करने के लिए उन्हें लगातार इसकी मात्रा बढ़ाते रहने की जरूरत पड़ती है।" युवाओं को ड्रग्स की ऐसी लत लग जाती है कि वे इसके लिए जेल तक जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। ओशो कहते हैं, "मैं इसे युवाओं की दिशाहीनता के रूप में देखता हूं, क्योंकि उन्हें यह बताने वाला कोई नहीं है कि दवाओं के सेवन से उनकी किसी भी इच्छा की संतुष्टि होना असंभव है। केवल ध्यान, शांति और विचारों की उत्कृष्टता द्वारा संतुष्टि और प्रशंसा को पाया जा सकता है। यह उन्हें समझने और समझाने की आवश्यकता है।"

गलतियों पर प्यार और बड़ों के समय की जरूरत

युवाओं को उनकी गलतियों पर सजा की जगह प्यार से समझाने की जरूरत होती है। बड़ों को चाहिए कि वे उनके लिए समय निकालें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अमेरिकन संगीत की दुनिया का जाना माना नाम ब्रेंट हिंड्स ने दुनिया को कहा अलविदा

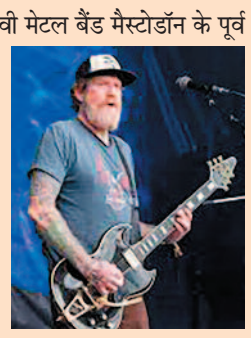

ग्रैमी पुरस्कार विजेता और हेवी मेटल बैंड मैस्टोडॉन के पूर्व गायक-गिटारिस्ट ब्रेंट हिंड्स का अटलांटा में एक मोटरसाइकिल दुर्घटना में निधन हो गया। उन्होंने 52 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। ब्रेंट हिंड्स अमेरिकन संगीत की दुनिया का जाना माना नाम थे। हेवी मेटल बैंड मैस्टोडॉन के पूर्व गायक-गिटारिस्ट और ग्रैमी पुरस्कार विजेता ब्रेंट हिंड्स की 51 साल की उम्र में मौत ने सभी कौ चौंका दिया। पूर्व गायक का निधन सड़क दुर्घटना के कारण हुआ, जिसकी जानकारी उनके बैंड के सदस्यों ने दी। इस घटना से मनोरंजन जगत में शोक की लहर छा गई है। ब्रेंट हिंड्स के मौत की जानकारी उनके बैंड के अधिकारियों ने दी। हालांकि, अटलांटा पुलिस के अनुसार, बुधवार देर रात हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिल चलाते समय गायक की मौत हो गई। ये घटना बीएमडब्ल्यू एसयूवी चालक द्वारा सड़क पर मोड़ लेते समय हुई। मिली जानकारी के मुताबिक घटनास्थल पर ही ब्रेंट हिंड्स बेसुध हो गए थे। इस दुखद घटना के सामने आते ही दिवंगत ब्रेंट हिंड्स के बैंड ने सोशल मीडिया के जरिए दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'हम बहुत दुखी और स्तब्ध हैं और अभी भी शानदार कलाकार के जाने के गम को भुलाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे व्यक्ति को जिसके साथ हमने इतनी सारी सफलताएं, उपलब्धियां और संगीत का निर्माण किया, जिसने इतने सारे लोगों के दिलों को छुआ।' ब्रेंड हिंड्स का जन्म 16 जनवरी 1974 को अमेरिका के हेलेना शहर में हुआ था। विलियम ब्रेंट हिंड्स एक अमेरिकी संगीतकार थे, जो अटलांटा हेवी मेटल बैंड मैस्टोडॉन के प्रमुख गिटारिस्ट के रूप में जाने जाते थे।

टॉलीवुड

तेजा की 'मिराई' की नई रिलीज डेट तय, दर्शकों के लिए थोड़ा इंतजार

'हनुमान' एक्टर तेजा सज्जा के फैंस को उनकी फिल्म 'मिराई' के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। क्योंकि फिल्म की रिलीज डेट को टाल दिया गया है। फिल्म 'हनुमान' से रातोंरात प्रसिद्धि हासिल कर चुके एक्टर तेजा सज्जा अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिराई' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म 'हनुमान' के बाद प्रशंसकों को उनकी आगामी फिल्म 'मिराई' से काफी उम्मीदें हैं। लेकिन 'मिराई' के लिए तेजा के फैंस को थोड़ा और इंतजार करना होगा।

तेजा सज्जा की नई सुपरहीरो फिल्म 'मिराई' की रिलीज डेट बदल गई है। यह फिल्म पहले 5 सितंबर, को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब यह 12 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। इसका ट्रेलर 28 अगस्त को रिलीज होगा।

कार्तिक गट्टामनेनी द्वारा निर्देशित 'मिराई' एक एक्शन-एडवेंचर फंतासी फिल्म है। इस फिल्म को पीपल मीडिया फैक्ट्री ने बनाया है। फिल्म में तेजा सज्जा के साथ मांचू मनोज मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, जबकि रितिका नायक, जयराम, जगपति बाबू, श्रिया सरन, राजेंद्रनाथ जुत्शी और पवन चोपड़ा सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म पवन कल्याण की 'दे कॉल हिम ओजी' और तेजा सज्जा की फिल्म 'मिराई' में कड़ी टक्कर हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों फिल्में आसपास रिलीज होंगी। फिल्म 'मिराई' में भारी वीएफएक्स का इस्तेमाल किया गया है। इसका संगीत गौरा हरि ने दिया है, जो पहले 'हनुमान' में भी तेजा के साथ काम कर चुके हैं।

'हनुमान' प्रशांत वर्मा द्वारा लिखित और निर्देशित एक भारतीय तेलुगु भाषा की सुपरहीरो फिल्म है। प्राइमशो एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म में तेजा सज्जा, अमृता अय्यर, वरलक्ष्मी सरथकुमार, राज दीपक शेट्टी और विनय राय मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म काल्पनिक गांव अंजनाद्री से है।

भोजपुरी

आलता और लाली के साथ हरितालिका तीज पर पियरी पहन सज गई रानी

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी अपनी फिटनेस और सोशल मीडिया पोस्ट्स के कारण चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने जिम में वर्कआउट करते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे 60 के दशक के मशहूर गाने पर लिप्सिंग करती नजर आईं। साथ ही दूसरा वीडियो हरितालिका तीज का शेयर किया है।

भोजपुरी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस रानी चटर्जी हमेशा से ही अपनी दमदार अदाकारी के साथ-साथ सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने के लिए जानी जाती हैं। चाहे वो फिल्म के सेट से कोई बिहाइंड द सीन्स वीडियो हो या फिर उनकी फिटनेस जर्नी की झलकियां... रानी अपने फैंस को हमेशा कुछ नया देने की कोशिश करती हैं। इन दिनों रानी अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दे रही हैं और जिम में जमकर पसीना बहा रही हैं। साथ ही दूसरा वीडियो हरितालिका तीज का शेयर किया है। इस वीडियो में रानी चटर्जी जिम के अंदर वर्कआउट मैट पर बैठी हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने ब्लू कलर की स्पोर्ट्स जैकेट पहन रखी है और बाल खुले छोड़े हैं, जिससे उनका लुक और भी निखर कर सामने आ रहा है। वह कैमरे की ओर देखते हुए मिरर के जरिए वीडियो बना रही हैं और 90 के दशक के बेहद मशहूर गाने 'मुझसे जुदा होकर' पर लिप्सिंग करती दिख रही हैं। वीडियो में रानी का एक्सप्रेशन ऐसा है मानो वह गाने के हर शब्द को महसूस कर रही हो।

रंगीन धारियाँ आज के फ़ैशन का अहम हिस्सा है। विभिन्न रंगों की समानांतर रेखाएँ परिधानों में एक अलग आकर्षण छोड़ती हैं। इन्हें कैज़ुअल या फ़ॉर्मल के रूप में स्टाइल किया जा सकता है और धारियों की दिशा, चौड़ाई और स्थान को ध्यान में रखते हुए ये सभी प्रकार के फिजिक के लिए सही हैं। इस पैटर्न का स्थायी आकर्षण बोल्ड, कैंडी-धारीदार डिज़ाइनों से लेकर अधिक सूक्ष्म, असममित डिज़ाइनों तक, अनगिनत विविधताओं और रचनात्मक संयोजनों की अनुमति देता है।

लाल-हरी चूड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत लगेंगे कंगन

त्योहारों के मौके पर महिलाएं साज-श्रंगार करना काफी पसंद करती हैं। साड़ी और सूट के साथ, महिलाएं कई तरह की एक्सेसरीज भी स्टाइल करती हैं। खासकर, तीज के त्योहार पर चूड़ियां पहनना काफी ट्रेंड में रहता है। इस मौके पर महिलाएं, लाल-हरे रंग के सलवार-सूट या साड़ियां पहनना पसंद करती हैं। इनके साथ चूड़ियां काफी खूबसूरत लगती हैं। लाल-हरी चूड़ियों के साथ कंगन के कई डिजाइंस पहन सकती हैं। इससे आपके हाथों की शोभा बढ़ जाएगी। कंगन, चूड़ियों के साथ काफी अच्छे लगते हैं और इससे हाथ भी खूबसूरत नजर आते हैं। यहां हम आपको कंगन के कुछ लेटेस्ट डिजाइंस दिखा रहे हैं, जिन्हें आप चूड़ियों के साथ स्टाइल कर सकती हैं।

पिक्चर आर्ट कंगन डिजाइन

अगर आप फैंसी कंगन में कोई सिंपल दिखने वाले डिजाइन ढूंढ रही हैं तो इस तरह के मां लक्ष्मी या राधा-कृष्णा वाले डिजाइन की पिक्चर आर्ट कंगन को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको नग वाले भी काफी डिजाइंस देखने को मिल जाएंगे। इस तरह के कंगन डिजाइंस, सूट और साड़ी के साथ बेहद खूबसूरत लगेंगे। आप चूड़ियों के साथ इन्हें पेयर करके भी पहन सकती हैं या बिना चूड़ियों के भी ये हाथों में खूबसूरत लगेंगे। इस तरह के कंगन आपको मार्केट में 300-400 रुपये में आसानी से मिल जाएंगे।

स्टोन वर्क कंगन डिजाइंस

आजकल मार्केट में कलरफुल स्टोन डिजाइंस को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। इस तरह की कंगन में ज्यादातर मैरून और ग्रीन कलर के साथ में पर्ल वर्क को सबसे ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। पर्ल वर्क वाले इस तरह के कंगन चूड़ियों के साथ बेहद सुंदर लगते हैं। अगर आपकी शादी के बाद पहली तीज है, तो इस तरह के कंगन आपको परफेक्ट लुक दे सकते हैं। इससे मिलते-जुलते कंगन आपको मार्केट में 400-500 रुपये में आसानी से मिल जाएंगे।

डायमंड कंगन डिजाइन

अगर आप महंगे असल डायमंड कंगन पहनने में कम्फर्टेबल नहीं हैं या ये आपके बजट में नहीं आ पा रहे हैं, तो आप आर्टिफिशियल ज्वेलरी में भी बारीक स्टोन वाले कंगन को हाथों में पहन सकती हैं। सिंपल और क्लासी लुक देने के लिए इस तरह की स्टोन वाले कंगन काफी कम दाम के अंदर मार्केट में मिल जाएंगे। इस तरह के कंगन किसी भी रंग की साड़ी के साथ खूब जचेंगे।

लहंगे के साथ ट्राई करें ये ब्लाउज डिजाइन, दिखेंगी बेहद खूबसूरत

त्योहारों और शादियों का मौसम आ रहा है ऐसे में महिलाएं अपने लिए लहंगों के अच्छे को सर्च जरूर कर रही होंगी। लेकिन लहंगे के साथ-साथ जरूरी है डिजाइनर ब्लाउज। जिन्हें सिलवाने के लिए हम इंटरनेट पर कई सारी चीजें सर्च करते हैं। फिर उनमें से कुछ डिजाइन चूज करते हैं और वैसा ही ब्लाउज बनवाने या फिर खरीदने के लिए मार्केट जाते हैं। अगर आप भी इसी तरह अपने लिए परफेक्ट ब्लाउज सर्च कर रही हैं तो इसके लिए आप यहां बताए गए ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं। ये बेस्ट हैं और आप इन्हें पहनकर बेहद खूबसूरत नजर आएंगी।

यू शेप नेकलाइन ब्लाउज डिजाइन

इस तस्वीर में जो आपको ब्लाउज डिजाइन नजर आ रहा है उसे आप अपने लहंगे के साथ रीक्रिएट कर सकती हैं। इस तरह सिंपल होते हैं लेकिन पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं। इस तरीके के गले वाली ब्लाउज को आप आगे से और पीछे दोनों तरफ से डीप रख सकती हैं। आप चाहे तो पीछे की तरफ इसमें फैंसी झालर लगा सकती हैं।साथ ही आप चाहे तो पीछे हुक वाला ब्लाउज या फिर आगे हुक वाला ब्लाउज अपने लहंगे के साथ बनवा सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज आपको बाजार में भी मिल जाएंगे और आप इन्हें स्टिच भी करवा सकती हैं। स्टिच करवाने पर आपको 1000 रुपये से 1500 रुपये तक टेलर की फीस चुकानी पड़ सकती है।

कोटी स्टाइल ब्लाउज डिजाइन

अगर आपको रॉयल लुक क्रिएट करने का मन है तो इसके लिए आप कोटी स्टाइल ब्लाउज (लहंगे के साथ बैकलेस ब्लाउज करें स्टाइल) को ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए आप हिना खान के इस ब्लाउज डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज बनवाने के लिए सबसे अच्छा कपड़ा होता है वेलवेट का। जिसमें हैवी एम्ब्राइडरी वर्क हुआ होता है। इस तरीके के ब्लाउज को भी आप अपने लहंगे के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इनकी खास बात ये होती है कि इसके साथ आपको फिर कोई भी हैवी ज्वेलरी स्टाइल करने की जरूरत नहीं पड़ती है। इस तरह के ब्लाउज आपको अपने टेलर से ही बनवाने पड़ेंगे, जिसके लिए आपको 500 से 1000 रुपये देने होंगे।

त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद है ग्लिसरीन

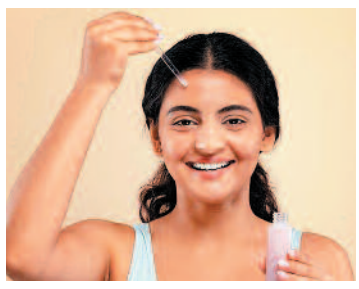

अगस्त का महीना चल रहा है। इस मौसम में कभी बारिश हो रही है तो कभी तेज धूप निकल रही है। बदलते इस मौसम का सीधा प्रभाव लोगों की त्वचा पर पड़ने लगा है। इस बदलते मौसम में अपनी त्वचा का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल आप त्वचा का ध्यान रखने के लिए कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं ग्लिसरीन की, जिसके इस्तेमाल से आपकी त्वचा काफी ग्लोइंग हो जाएगी।

अगर आप अपने चेहरे पर सीधा ऐसे ही ग्लिसरीन का इस्तेमाल करेंगे तो इसका ज्यादा कुछ असर देखने को नहीं मिलेगा लेकिन अगर आप कुछ चीजों को इसके साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएंगे तो असर कुछ दिन में दिखने लगेगा। आज के इस लेख में हम आपको ऐसी 5 चीजों के बारे में बताएंगे, जिनका इस्तेमाल आप ग्लिसरीन में मिलाकर कर सकते हैं। आइए देर ना करते हुए आपको इन चीजों के बारे में बताते हैं। अगर आपकी त्वचा काफी रूखी है तो ग्लिसरीन में गुलाब जल मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे आपकी त्वचा की नमी बरकरार रहेगी और साथ ही में चेहरा भी ग्लो करेगा। अगर आप चेहरे पर होने वाले पिंपल्स के दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं तो मुल्तानी मिट्टी और ग्लिसरीन को मिलाकर चेहरे पर लगा सकते हैं। इस पैक को कुछ समय चेहरे पर लगाएं और फिर चेहरे को अच्छे से साफ कर लें। अगर आप पिगमेंटेशन से परेशान हैं तो ग्लिसरीन के साथ शहद को मिलाकर लगाएं। एक्ने और पिंपल से छुटकारा पाने के लिए भी आप इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप स्किन पर खुजली और लालिमा से परेशान हैं तो ग्लिसरीन में नींबू का रस मिलाकर त्वचा पर लगाएं। इसके इस्तेमाल से आपका चेहरा ग्लो करेगा। ग्लिसरीन आपको बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाएगा। रोजाना इसके इस्तेमाल से आपको कई फायदे मिलते हैं। ग्लिसरीन का इस्तेमाल करके आप त्वचा की नमी बरकरार रख सकते हैं।

अनार देता है चमकता चेहरा, और भी बहुत कुछ

अनार आपको सेहत देता है लेकिन खूबसूरत त्वचा के लिए अनार के छिलके भी खूब काम आते हैं। दरअसल, अनार के छिलके में प्रोटीन, मिनरल्स, पोटैशियम, कैल्शियम, फेनोलिक एसिड, फ्लेवेनोइड्स, टैनिन और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ऐसे में आप इन छिलकों का इस्तेमाल करके दमकती हुई त्वचा पा सकते हैं।

पिंपल्स को करता है दूर

लगातार बढ़ते धूल और प्रदूषण की वजह से चेहरे पर पिंपल्स की समस्या तो जैसे बेहद आम हो गई है। ऐसे में आप अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके इस समस्या से राहत पा सकते हैं। पिंपल्स को दूर करने के लिए आपको सबसे पहले अनार के छिलकों को सुखा लेना है। इसके बाद इन सूखे हुए अनार के छिलकों को एक पैन में अच्छे से भून लें। छिलकों को भून कर ठंडा करें और मिक्सी में पीस लें। इस मिक्सचर में नींबू का रस या गुलाब जल डालकर पेस्ट बनाएं और चेहरे पर लगाएं। कुछ ही दिनों में आपको असर दिखने लगेगा।

रूसी डैंड्रफ से दिलाए राहत

अगर आप रूसी से काफी परेशान हैं तो इससे अनार के छिलके आपको राहत दिला सकते हैं। इसका इस्तेमाल आप आसानी से घर पर ही कर सकते हैं।

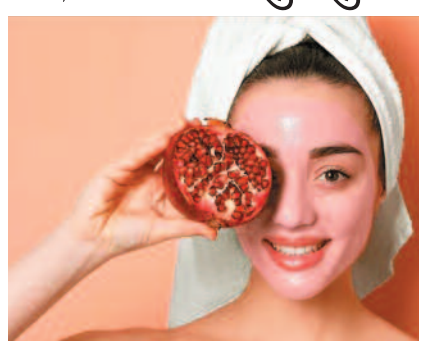

इसके इस्तेमाल के लिए आपको अनार के छिलकों के पाउडर को अपने किसी भी तेल के साथ अच्छे से मिक्स करना है। इसके बाद इस तेल को बालों में रात भर के लिए लगाकर छोड़ दें। कुछ ही दिन में आप देखेंगे कि रूसी खत्म हो रही है।

सनस्क्रीन की तरह करता है काम

सनस्क्रीन काफी महंगी आती है। ऐसे में अगर आप चाहें तो अनार के छिलकों का इस्तेमाल सनस्क्रीन की तरह कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस अनार के छिलकों का पाउडर किसी भी मॉइस्चराइजर में मिलाना है और इसे अपने शरीर पर अप्लाई करना है। इसके इस्तेमाल से आपको टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

कार्नर न्यूज

ब्यूटीशियन है सफल करियर का प्रतीक, खुल जाते हैं सुनहरे भविष्य के द्वार

नए दौर में बदल रहे हैं ब्यूटीशियन होने के मायने

वे दिन गए जब लोग या युवा ब्यूटीशियन को कमतर मानते थे और वे इस करियर में नहीं आना चाहते थे। अब, यह नई पीढ़ियों के बीच सबसे अच्छे और सबसे फायदेमंद करियर विकल्पों में से एक है। बड़ी संख्या में युवा इस क्षेत्र को चुन रहे हैं। ब्यूटी थेरेपिस्ट या ब्यूटीशियन कैसे बनें, इसके बारे में आपको प्राथमिक बिंदु पता होना चाहिए कि ब्यूटीशियन कौन है।

ब्यूटीशियन या ब्यूटी थेरेपिस्ट कौन है?

ब्यूटीशियन वह व्यक्ति होता है जो किसी व्यक्ति के रूप-रंग को निखारने के लिए कार्य या उपचार करता है। ऐसे पेशेवर के पास सौंदर्य उपचार के बारे में व्यापक विचार होता है। एक सौंदर्य चिकित्सक सौंदर्य सेवाएं (वैक्सिंग, बाल हटाना, मैनीक्योर, पेडीक्योर, फेशियल और त्वचा उपचार) प्रदान करता है। क्या आप एक महत्वाकांक्षी हेयर स्टाइलिस्ट या मेकअप आर्टिस्ट हैं, जो सौंदर्य उद्योग की बढ़ती और आकर्षक दुनिया में अपना रास्ता बनाना चाहते हैं? तो फिर सीखने, बढ़ने और खुद को एक सफल सौंदर्य पेशेवर के रूप में स्थापित करने की रोमांचक यात्रा शुरू करने का समय आ गया है।

आप मेकअप, हेयरकटिंग, स्टाइलिंग, कलरिंग, बाल और चेहरे के उपचार, त्वचा की देखभाल, नाखून की देखभाल और नेल आर्ट, स्पा जैसी वेलनेस थेरेपी, त्वचा कायाकल्प आदि में प्रशिक्षण का विकल्प चुन सकते हैं। आप बुनियादी शिक्षा से भी शुरुआत कर सकते हैं और फिर अपनी रुचि या करियर उद्देश्य के आधार पर सौंदर्य के किसी एक क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। या, आप सीधे एक विशिष्ट कार्यक्रम से शुरुआत कर सकते हैं और उसमें अपने कौशल और तकनीकों को निखार सकते हैं।

पारस्परिक कौशल विकसित करें

सेवा उद्योग में होने के कारण आपका लगातार लोगों से संपर्क बना रहेगा। चाहे आप सैलून में, ब्यूटी क्लिनिक में या फ्रीलांस पेशेवर के रूप में काम करते हों, आपको ग्राहकों और साथियों के प्रति इंटरैक्टिव और उत्तरदायी होना चाहिए। एक सौंदर्य पेशेवर को कुछ आवश्यक पारस्परिक कौशल विकसित करने की आवश्यकता है:

फ़ोन कॉल, ईमेल और टेक्स्ट संदेशों के माध्यम से लोगों को जोड़ कर रखें। उनके साथ बातचीत करके और उनके उपचार और शैली प्राथमिकताओं, उत्पाद एलर्जी, बजट आदि के बारे में जानकर ग्राहक सेवा में विशेषज्ञ बनें। एक मिलनसार और आकर्षक व्यक्तित्व रखें, ग्राहकों का स्वागत करें और हर समय स्वागत करने वाला माहौल रखें। उपचार/सेवाओं के बारे में समझाते समय समझने वाला रवैया रखें लेकिन साथ ही व्यवहारकुशल और उत्साहवर्धक भी रहें।

साधन संपन्न बनें

सौंदर्य उद्योग लगातार विकसित हो रहा है। यदि आप एक पेशेवर के रूप में विकसित होना चाहते हैं और अपने ग्राहकों के लिए विशेषज्ञ बनना चाहते हैं, तो आपको बाजार के रुझान और स्टाइल विचारों, नवीन उपचारों और नए उत्पादों के बारे में जानना होगा। जानकारीपूर्ण और जानकार होने से आप खेल में आगे रहेंगे।

अपने व्यावसायिक कौशल को निखारें

यदि आप अपना खुद का व्यवसाय चलाना चाहते हैं या स्व-रोज़गार पेशेवर बनना चाहते हैं, तो आपको व्यवसाय और प्रशासनिक कौशल भी हासिल करने की आवश्यकता है जैसे नियमित ग्राहकों को उपचार, उत्पाद और अपसेल बेचने की क्षमता।अन्य कार्यों के साथ-साथ विक्रेता प्रबंधन, नियुक्तियाँ, इन्वेंट्री नियंत्रण और आपूर्ति जैसे दैनिक व्यवस्थापक कार्यों को संभालें। बाजार में बदलाव और अपनी प्रतिस्पर्धा की पूरी समझ रखें।

एक विशेषज्ञ बनें

अंतिम, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, सर्वश्रेष्ठ सौंदर्य संस्थान में सही शिक्षण उपकरणों के साथ खुद को प्रशिक्षित करें। उद्योग के पेशेवरों से सीखें और अपनी प्रशिक्षण अवधि के दौरान जितना संभव हो उतना अभ्यास करें। अपने कौशल से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए आप जो भी करते हैं उसमें विशेषज्ञ बनें। ओरेन ब्यूटी इंस्टीट्यूट में, आप ढेर सारे पाठ्यक्रमों में से चुन सकते हैं। विभिन्न सौंदर्य पाठ्यक्रमों के बारे में जानने के लिए हमारे 'कोर्स खोजें' अनुभाग पर जाएँ, जिन्हें आप खोज सकते हैं।